twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 23 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 166, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पहलगाम में आतंकी हमला, 28 लोगों की मौत

धर्म और नाम पूछ कर मारी गोली, शाह ने की हाईलेवल मीटिंग

पहलगाम

कश्मीर घाटी के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया, जिसमें 28 लोगों की मृत्यु हुई है और कम से कम 20 लोग घायल हो गए हैं। हमले के बाद सेना, सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस बैसरन घास के मैदानों में पहुंच गई। हमलावरों की तलाश में बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया गया है और सुरक्षा बलों को सभी दिशाओं में तैनात किया गया है। पहलगाम अस्पताल के एक डॉक्टर ने कहा कि 12 घायल पर्यटकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उन सभी की हालत स्थिर है। यह घटना दोपहर करीब 3 बजे हुई, जब आतंकवादी बैसरन घाटी में पहाड़ से नीचे उतरे और उन पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जो इस जगह पर अक्सर आते हैं। इस जगह को अक्सर अपने लंबे हरे-भरे घास के मैदानों के कारण मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है। यह आतंकी हमला ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने परिवार के साथ देश की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। हमले वाली जगह का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कई लोग खून से लथपथ और जमीन पर बेसुध पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि एक महिला पर्यटक अपने प्रियजनों की तलाश में रो रही है। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब वर्षों से आतंकवाद से जूझ रहे कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। साथ ही अमरनाथ तीर्थयात्रा भी 3 जुलाई से शुरू होने वाली है। आतंकवादी बैसरन के आसपास के घने देवदार के जंगल से निकले थे, जो 1980 के दशक में बॉलीवुड फिल्म निमार्ताओं के लिए एक प्रसिद्ध स्थान था। अधिकारियों ने बताया कि पहलगाम रिसॉर्ट आज दोपहर तक पर्यटकों से भरा हुआ था, जो हमले के तुरंत बाद सुनसान हो गया और पर्यटक अपनी सुरक्षा के डर से वहां से चले गए।

जघन्य आतंकी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को सऊदी अरब से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बातचीत कर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की जानकारी ली। उन्होंने उचित कदम उठाने और घटनास्थल का दौरा करने का निर्देश दिया। हमले में 28 व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिवार के सदस्यों के साथ हैं।

धर्म और नाम पूछ कर आतंकियों ने मारी गोली

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में एक बेहद ही दिल दहला देना वाला वीडियो सामने आया है। वीडियो इतना भयावह है कि हम आपको दिखा नहीं सकते लेकिन जो बात वीडियो में कही गई है वो बता रहे हैं। एक महिला रोती हुई मदद मांग रही है वह वहां मौजूद किसी स्थानीय व्यक्ति से कह रही है कि आतंकी धर्म पूछ-पूछकर लोगों को गोली मार रहे थे। मैं और मेरे पति यहां पर बैठकर भेल खा रहे थे। इस बीच आतंकी आते हैं और कहते हैं ये मुस्लिम नहीं लग रहे, इन्हें मार दो और मेरे पति को गोली मार दी। वहीं एक अन्य महिला कहती हुई नजर आ रही है कि मेरे पति को बचा लो...वो वहां पर पड़े हैं। वहीं एक अन्य महिला अपने पति को कुर्सी पर बैठाए हुए है और कहती हुई नजर आ रही है कि प्लीज मेरी मदद करो। इन्हें गोली लगी है।

'कोई मेरे बेटे को बचा लो'

वीडियो में एक अन्य महिला कहती हुई नजर आ रही है कि कोई मेरे बेटे को बचाए। इस पर स्थानीय व्यक्ति पूछता है कि कहां है आपका बेटा। महिला घास के मैदान की तरफ इशारा करके बताती है कि वहां है।

इस पर स्थानीय कहता है कि आप चिंता मत करो हम हैं आपकी मदद के लिए। हमले में 28 की मौत और करीब 20 अन्य लोगों के घायल होने की बात सामने आ रही है। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों की टीम क्षेत्र में भेजी गई।

'आतंकी ने पिता से इस्लामिक आयत पढ़ने को कहा... नहीं सुना पाए तो मारी गोलियां'

दिल्ली

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में एक पीड़ित परिवार की आपबीती सामने आई है। पीड़ित युवती ने बताया कि जब आतंकवादी आए तो उनका परिवार डर के मारे टेंट के अंदर छिपा हुआ था। उन्होंने युवती के 54 वर्षीय पिता संतोष जगदाले से कहा कि वे बाहर आकर एक इस्लामी आयत पढ़ें। जब वे ऐसा नहीं कर पाए, तो उन्हें तीन बार गोली मारीं। आतंकी ने एक गोली उनके सिर में, फिर कान के पीछे और फिर पीठ में गोली मारी। पुणे के व्यवसायी की 26 वर्षीय बेटी असावरी जगदाले ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण हमले में परिवार को किस तरह की दहशत का सामना करना पड़ा। उसके पिता के जमीन पर गिर जाने के बाद, बंदूकधारियों ने उसके बगल में लेटे उसके चाचा पर हमला किया और उनकी पीठ में कई गोलियां मार दीं। असावरी को नहीं पता कि उसके पिता और चाचा जीवित हैं या मर चुके हैं। वह, उसकी मां और एक अन्य महिला रिश्तेदार बच गईं और स्थानीय लोगों व सुरक्षाबलों ने उन्हें दूसरी जगह पहुंचाया। उन्होंने बताया कि परिवार वहां पर छुट्टियां मना रहा था, जब उन्होंने पास की पहाड़ी से उतरते हुए "स्थानीय पुलिस जैसे कपड़े पहने लोगों" द्वारा गोलीबारी की आवाज सुनी।

आतंकी हरप्रीत कैलिफोर्निया में अरेस्ट

वाशिंगटन

भारत के पंजाब में आतंकवादी हमलों का गुनगहार हरप्रीत सिंह आखिरकार संयुक्त राज्य अमेरिका में धरा गया। आतंकवादी हरप्रीत सिंह को फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) और इनफोर्समेंट एंड रिमूवल आपरेशंस (ईआरओ) ने कैलिफोर्निया की राजधानी सैक्रामेंटो में गिरफ्तार किया है। एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने यह खुशखबरी एक्स हैंडल पर साझा की है। एफबीआई प्रमुख काश पटेल ने अमेरिका में वांछित भारतीय गैंगस्टर हरप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के लिए संघीय जांच एजेंसी की सराहना की है।

डिप्टी गवर्नर का कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। सरकार ने दूसरी बार उन्हें एक साल का और सेवा विस्तार दिया है, जो 3 मई से प्रभावी होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने विस्तारित अवधि के लिए टी. रबी शंकर की पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

माउंट एवरेस्ट आधार क्षेत्र में चहल-पहल बढ़ी

काठमांडू

दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (सागरमाथा) क्षेत्र में एक ही दिन में मंगलवार को लगभग 700 पर्यटक पहुंचे हैं। बड़ी संख्या में आगंतुकों के आगमन के साथ ही चहल-पहल बढ़ गई है। अधिकांश पर्यटक विदेशी हैं। इनमें से 608, जबकि घरेलू पर्यटक 92 थे। राष्ट्रीय उद्यान के रेंजर विवेक श्रेष्ठ ने बताया कि मंगलवार शाम पांच बजे तक खुम्बू क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या 700 दर्ज की गई। सागरमाथा आधार शिविर में आने वाले सार्क राष्ट्र के पर्यटक से 1,500 रुपये शुल्क लिया जाता है जबकि अन्य देशों के प्रत्येक विदेशी से 3,000 रुपये लिए जाते हैं। नेपाली नागरिकों के लिए 100 रुपये का प्रवेश शुल्क जमा करना होता है। सागरमाथा पर्वतारोही टेम्बा छिरी शेर्पा ने बताया कि वसंत ऋतु की शुरूआत के साथ इस क्षेत्र में पर्यटकों की अच्छी तादाद देखी गई, जो इस पर्यटन सीजन के लिए सकारात्मक है।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के अंतिम नतीजे घोषित

प्रयागराज की शक्ति दुबे ने किया टॉप

नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को सिविल सेवा परीक्षा 2024 के अंतिम परिणाम घोषित कर दिए। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की निवासी शक्ति दुबे ने परीक्षा में टाप किया है जबकि हर्षिता गोयल और डोंगरे अर्चित पराग क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। यूपीएससी के अनुसार, परिणाम सिविल सेवा परीक्षा के लिखित भाग और व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार पर आधारित हैं, जो जनवरी और अप्रैल 2025 के बीच आयोजित किए गए थे। मेरिट सूची के अनुसार, उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और केंद्रीय सेवा (ग्रुप ए और ग्रुप बी) की नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया है। यूपीएससी के परिणामों के लिए सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी और एसटी कोटा की कई श्रेणियों से कुल 1,009 उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए सिफारिश की गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, सामान्य श्रेणी से 335 उम्मीदवारों को चुना गया है, जबकि ईडब्ल्यूएस कोटे से 109, ओबीसी श्रेणी से 318, एससी श्रेणी से 160 और एसटी श्रेणी से 87 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। विभिन्न सेवाओं में नियुक्तियां उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर होंगी। आईएएस के तहत 360 रिक्तियां हैं।

प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब के जेद्दा पहुंचे, 21 तोपों की मिली सलामी

जेद्दा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को दो दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब के जेद्दा पहुंचे। वहां उन्हें 21 तोपों की सलामी देकर औपचारिक स्वागत किया गया। इससे पहले एक विशेष सम्मान के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी के विमान को जेद्दा में सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में रॉयल सऊदी एयर फोर्स के एफ-15 जेट विमानों द्वारा सुरक्षा प्रदान की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जेद्दा पहुंचने पर मक्का के डिप्टी-गवर्नर प्रिंस सऊद बिन मिशाल बिन अब्दुलअजीज अल सऊद ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी को किंग अब्दुलअजीज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 21 तोपों की सलामी देकर औपचारिक स्वागत किया गया। जेद्दा के रिट्ज-कार्लटन होटल में प्रधानमंत्री का भारतीय समुदाय द्वारा मोदी-मोदी के नारों के साथ जोरदार स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी की पिछले एक दशक में यह सऊदी अरब की तीसरी तथा ऐतिहासिक शहर जेद्दा की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, सऊदी अरब के जेद्दा में उतरा। इस यात्रा से भारत और सऊदी अरब के बीच मित्रता और मजबूत होगी। आज और कल विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उत्सुक हूं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, भारत-सऊदी अरब हमारे दीर्घकालिक और ऐतिहासिक संबंधों को और गति प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ऐतिहासिक बंदरगाह शहर जेद्दाह में 21 तोपों की सलामी के साथ औपचारिक स्वागत किया गया।

नागरिकों की शक्ति और लोकतंत्र का आधार है संविधान: उपराष्ट्रपति धनखड़

लोकतंत्र केवल सरकार द्वारा शासन करने के लिए नहीं है

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम कर्तव्यम् में नागरिकों की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। संवैधानिक पद केवल औपचारिक नहीं हैं, प्रत्येक नागरिक की आवाज सर्वोपरि है। डीयू के वाइस रीगल लॉज में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान में संसद से ऊपर किसी भी सत्ता की कल्पना नहीं की गई है। संसद ही सर्वोच्च है और यह स्थिति हर नागरिक के लिए भी लागू होती है। उन्होंने संविधान के मूल तत्वों को प्रस्तुत करते हुए कहा कि हम भारत के लोग, संविधान के तहत अपनी आकांक्षाओं और इच्छाओं को अपने जनप्रतिनिधियों के माध्यम से व्यक्त करते हैं और चुनावों के माध्यम से प्रतिनिधियों को जवाबदेह ठहराते हैं। उन्होंने 1977 में लगे आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उसके लिए लोगों द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री को जवाबदेह ठहराया गया था। इसलिए इस बारे में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि संविधान लोगों के लिए है और इसकी सुरक्षा का दायित्व चुने हुए प्रतिनिधियों का है। संविधान की विषय-वस्तु क्या होगी, इसके अंतिम स्वामी वे ही हैं। लोकतंत्र में नागरिकों के कर्तव्य पर विचार करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र केवल सरकार द्वारा शासन करने के लिए नहीं है। यह सहभागी लोकतंत्र है, जिसमें केवल कानून ही नहीं, बल्कि संस्कृति और लोकाचार भी शामिल है।

पहलगाम हमला देश की एकता-अखंडता पर प्रहार: आरएसएस

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले पर संघ की तरफ से शोक जताया गया है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में आरएसएस की तरफ से लिखा गया- जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ नृशंस आतंकी हमला अत्यंत निंदनीय और संतापजनक है। हम घटना में मृत हुए सभी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। आरएसएस की तरफ से आगे कहा गया कि- यह हमला देश की एकता व अखंडता पर प्रहार करने का दुःसाहस है। सभी राजनीतिक दल व संस्थाओं को सारे मतभेदों से ऊपर उठकर इसकी भर्त्सना करनी चाहिए। सरकार सभी पीड़ितों और उनके परिवारों की सहायता की आवश्यक व्यवस्था करे और सरकार इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करने के लिए जल्द ही उचित कदम उठाए।

इस आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार और तमाम सुरक्षा एजेंसियां एक्शन में आ गई है। पीएम मोदी के निर्देश पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आनन-फानन में जम्मू-कश्मीर पहुंचे हैं और वहां पर अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की है।

लखटकिया हुआ सोना

नई दिल्ली

वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर बनी चिंता के कारण देश और दुनिया में सोने की कीमत में तेजी का दौर लगातार जारी है। भारत के मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना आज अपने सर्वोच्च स्तर 1,00,116 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना आज पुराने सभी रिकॉर्ड्स को ध्वस्त करते हुए 3,500 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सोना पहली बार तीन प्रतिशत जीएसटी जोड़ने के बाद 1 लाख रुपये के स्तर को पार करके 1,00,116 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। वहीं, वायदा बाजार में एमसीएक्स पर सोना 1.76 प्रतिशत उछल कर 98,991 रुपए के स्तर पर कारोबार करता नजर आया।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ने रचा इतिहास, यूपीएससी में 13 होनहारों ने लहराया परचम

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल 'मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना' ने एक बार फिर अपने प्रभावशाली परिणामों से सबका ध्यान खींचा है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2024 के फाइनल रिजल्ट में इस योजना से पढ़ाई करने वाले 13 मेधावी छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त कर उत्तर प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना उत्तर प्रदेश के गरीब और वंचित वर्ग के छात्रों के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रही है। यह योजना छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और कोचिंग प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सशक्त कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस दूरदर्शी पहल से राज्य के हजारों छात्र-छात्राओं के सपने साकार हो रहे हैं और वे अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अग्रसर हो रहे हैं। छात्र- छात्राएं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए अभ्युदय कोचिंग के सेंटर्स में पढ़ाई की और अब यूपीएससी के सिविल सेवा परीक्षा 2024 में 13 होनहारों की कामयाबी सीएम योगी के उद्देश्य की सशक्त मिसाल बनकर सामने आई है।

सभी 75 जिलों में अभ्युदय कोचिंग के 166 केन्द्र संचालित

प्रदेश के सभी 75 जिलों में अभ्युदय कोचिंग के 166 केन्द्र संचालित हैं। इन केन्द्रों पर पढ़ाई कर शगुन कुमार ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 में 100वीं रैंक हासिल किया है। इन्होंने हापुड़ सेंटर से पढ़ाई की, जबकि मयंक बाजपेई (सीतापुर) को 149वीं रैंक मिली। आयुष जायसवाल (बरेली) ने 178वीं और अदिति दुबे (लखनऊ) ने 180वीं रैंक के साथ सफलता अर्जित की। सौम्या शर्मा (प्रतापगढ़) ने 218वीं रैंक, प्रतीक मिश्रा (प्रयागराज) ने 234वीं और आंचल आनंद (गौतमबुद्ध नगर) ने 399वीं रैंक प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया। इसके अलावा अश्वनी शुक्ला (जालौन) ने 423वीं, उदित कुमार सिंह(प्रयागराज) ने 668वीं, दिशा द्विवेदी(लखनऊ) ने 672वीं, मनीष कुमार (लखनऊ) ने 748वीं, हिमांशु मोहन(अयोध्या) ने 821वीं तथा नैन्सी सिंह(लखनऊ) ने 970वीं रैंक हासिल कर मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की सफलता को नई ऊँचाई दी।

प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत

समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि योगी सरकार गरीब व वंचित वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना उसी प्रयास प्रयास का परिणाम है।

तमिलनाडु से जुड़े मामले में केरल का मामला शामिल नहीं : केंद्र सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के समक्ष केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने में देरी से संबंधी शीर्ष अदालत के आठ अप्रैल, 2025 के फैसले में केरल का मामला शामिल नहीं है। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष सरकार की ओर से पेश ओरसॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तमिलनाडु के फैसले का अध्ययन करने के लिए समय की मांग करते हुए कहा कि यह (तमिलनाडु का मामला) केरल के मामले से अलग है। शीर्ष अदालत ने आठ अप्रैल, 2025 के अपने फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने में देरी पर कई सवाल उठाये। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमानी ने भी कहा कि तमिलनाडु का निर्णय तथ्यों के आधार पर वर्तमान मामलों (केरल) के कुछ मुद्दों को कवर नहीं करता है। उन्होंने कहा, हम उन अंतरों को दिखाना चाहेंगे। केरल सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता के के वेणुगोपाल ने शुरुआत में कहा कि केरल मामला तमिलनाडु मामले में हाल ही में दिए गए फैसले के अंतर्गत आता है। मुद्दा यह है कि राष्ट्रपति को संदर्भित करने की समय सीमा क्या है, जिसे तीन महीने का माना गया है। उन्होंने बताया कि यह केंद्र सरकार द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार है।

इसके बाद पीठ ने श्री वेणुगोपाल से पूछा कि वह क्या प्रस्ताव रखते हैं और क्या वह याचिका वापस लेना चाहते हैं, क्योंकि वह निर्णय वहां है। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि उस निर्णय के सवाल पर वह निर्णय की जांच कर रहे हैं और इस उद्देश्य के लिए कुछ समय दिया जा सकता है। इसके बाद श्री वेणुगोपाल ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल को यह स्पष्ट करना होगा कि यह सीधे तौर पर शामिल है या नहीं। इस पर श्री मेहता ने कहा कि यह शामिल नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि एकमात्र सवाल यह देखना है कि क्या निर्णय वर्तमान (केरल) मामले को कवर नहीं करता है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस मामले पर विचार के लिए छह मई की तारिख तय किया। इस संदर्भ में न्यायालय को यह भी बताया गया कि केरल द्वारा तीन रिट याचिकाएं दायर की गई थीं और केवल एक पीठ के समक्ष सूचीबद्ध थी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की एक अलग पीठ ने आठ अप्रैल को अपने फैसले में घोषणा की कि तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा 10 विधेयकों को मंजूरी न देने का निर्णय 'अवैध' और 'मनमाना' था और राष्ट्रपति को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए तीन महीने की समय-सीमा तय की। केरल सरकार ने शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर कर राज्य विधानमंडल द्वारा पारित और संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किए गए कई विधेयकों के संबंध में राज्यपाल की ओर से निष्क्रियता का दावा किया। केरल सरकार ने अपनी याचिका में यह घोषित करने की मांग की कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग किए बिना अनिश्चित काल के लिए विधेयकों को रोकने में राज्यपाल की कार्रवाई 'अनैतिक, मनमानी, निरंकुश और लोकतांत्रिक मूल्यों, सरकार के कैबिनेट रूप के आदर्शों एवं लोकतांत्रिक संविधानवाद तथा संघवाद के सिद्धांतों के विपरीत है।÷

पश्चिम बंगाल में हिन्दू डरे हुए हैं, उनको वोट तक नहीं डालने देते : गिरिराज सिंह

एजेंसी

बेगूसराय । केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल भाजपा द्वारा हिंदू मतदाताओं के लिए अलग मतदान केंद्र बनाए जाने की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि इस मांग में दम है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि पश्चिम बंगाल में हिन्दू डरे हुए हैं, हिंदुओं को वोट तक नहीं डालने देते हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस मामले को लेकर कहा, 'पश्चिम बंगाल भाजपा ने जो मांग की है,

वह बताता है कि पश्चिम बंगाल के ममता बनर्जी के नेतृत्व में हिंदू वोटरों को चुनाव में धमकाया जाता है और उन्हें वोट भी डालने नहीं देते हैं। इसलिए पश्चिम बंगाल भाजपा ने जो यह मांग की है, उनकी मांग में दम है। वहां के हिंदू मतदाता मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के व्यवहार से डरे हुए हैं। चुनाव आयोग ने अगर स्पेशल एक्शन नहीं लिया तो वहां के वोटरों को, हिंदुओं को बड़ी कठिनाई होगी। इससे पहले भाजपा के नेता सुवेन्दु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले राष्ट्रपति शासन की मांग की थी। सुवेन्दु अधिकारी ने कहा कि बंगाल में हिन्दूओं को सताया जा रहा है, उनके पास रहने के लिए घर नहीं है। राज्य में चुनाव से पहले हम राष्ट्रपति शासन की मांग करते हैं। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन के अंदर चुनाव कराना चाहिए। बिना राष्ट्रपति शासन के बंगाल में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से चुनाव नहीं हो सकता है। जहां हिन्दू 50 प्रतिशत से कम हैं, वहां ये लोग हिन्दुओं को वोट डालने नहीं देंगे। पश्चिम बंगाल में 2026 में मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

मैं मर्यादा भूल गया,पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला...अनुराग कश्यप ने फिर मांगी माफी

मुंबई । फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप का ब्राह्मणों पर दिया गया विवादित बयान तूल पकड़ता जा रहा है। इस बीच मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कश्यप ने दोबारा से आहत लोगों से माफी मांगी है। कश्यप का कहना है कि वह गुस्से में आकर मर्यादा भूल गए थे। आगे वह ध्यान देंगे कि बातचीत के दौरान सही शब्दों का इस्तेमाल करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अनुराग कश्यप ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा, ÷मैं गुस्से में किसी को एक जवाब देने में अपनी मर्यादा भूल गया और पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला। वो समाज जिसके तमाम लोग मेरी जिंदगी में रहे हैं, आज भी हैं और उन्होंने बहुत योगदान दिया है। आज वो सब मुझसे आहत हैं। मेरा परिवार मुझसे आहत है। बहुत सारे बुद्धिजीवी, जिनकी मैं इज्जत करता हूं, वे भी मेरे उस गुस्से में बोलने के तरीके या बयान से आहत हैं।दिल से माफी मांगते हुए कश्यप ने आगे कहा, मैंने ऐसी बात करके अपनी ही बात को मुद्दे से भटका दिया। मैं तहे दिल से इस

समाज से माफी मांगता हूं। मैं इन्हें ये नहीं कहना चाह रहा था, लेकिन आवेश में किसी की घटिया टिप्पणी का जवाब देते हुए ऐसा लिख दिया। मैं अपने बोलने के तरीके के लिए, अभद्र भाषा के लिए अपने उन तमाम सहयोगियों, दोस्तों, अपने परिवार से और उस समाज से माफी मांगता हूं।माफी मांगने के साथ ही अनुराग ने आगे कहा कि उनसे ऐसी गलती आगे कभी नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा, ÷अब आगे से ऐसा न हो, मैं उस पर काम करूंगा। अपने गुस्से पर काम करूंगा और मुद्दे की बात अगर करनी हो तो सही शब्दों का इस्तेमाल करूंगा। आशा है आप मुझे माफ कर देंगे। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की।

तेजस्वी ने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा, भाजपा, जदयू ने किया पलटवार

पटना । बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को एक बार फिर घेरा है। उन्होंने बिहार में मोदी-नीतीश का महाजंगलराज बताते हुए हाल की घटनाओं का भी जिक्र किया है। इधर, भाजपा और जदयू ने भी पलटवार करने में देरी नहीं की। राजद के नेता तेजस्वी यादव ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर बिहार में आपराधिक घटनाओं की लिस्ट जारी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यहां हर मिनट में आपराधिक वारदात हो रही है। तेजस्वी यादव ने अपने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, बिहार में मोदी-नीतीश का महाजंगलराज। बेगूसराय में दो युवकों की हत्या,

सुपौल में एक व्यक्ति की हत्या, नालंदा में सुखदेव ठाकुर की गोली मारकर हत्या, मुंगेर में 16 वर्षीय युवक को गोली मारी, पटना में जदयू नेत्री सोनी निषाद को गोली मारी, नालंदा में दो महिलाओं की हत्या, पटना में बस ड्राइवर की गोली मारकर हत्या। उन्होंने आगे लिखा कि कितनी हत्याओं की जानकारी दें, यहां हर मिनट में आपराधिक वारदात हो रही है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, 'संसद ही सर्वोच्च', निर्वाचित प्रतिनिधि संविधान के 'अंतिम स्वामी'

जनता है संविधान की सरंक्षक : जगदीप धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संसद सर्वोच्च है और निर्वाचित प्रतिनिधि संविधान के 'अंतिम स्वामी' हैं। उनसे ऊपर कोई प्राधिकारी नहीं हो सकता। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1977 में देश में आपातकाल (इमरजेंसी) लागू करने वाली प्रधानमंत्री को जनता ने जवाबदेह बनाया था। संविधान लोगों के लिए है और यह उनके चुने हुए प्रतिनिधियों की रक्षा करता है। संविधान में संसद से ऊपर किसी भी प्राधिकरण की परिकल्पना नहीं की गई है। संसद सर्वोच्च है और यह उतनी ही सर्वोच्च है जितना देश का

हर एक नागरिक है।उन्होंने आगे कहा कि किसी भी लोकतंत्र के लिए हर नागरिक की अहम भूमिका होती है। मुझे यह बात समझ से परे लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि संवैधानिक पद औपचारिक या सजावटी हो सकते हैं। इस देश में हर किसी की भूमिका (चाहे वह संवैधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक) के बारे में गलत समझ से कोई भी दूर नहीं हो सकता। जगदीप धनखड़ ने कहा, मेरे हिसाब से नागरिक सर्वोच्च है क्योंकि एक राष्ट्र और लोकतंत्र नागरिकों द्वारा ही बनाया जाता है। उनमें से हर एक की अपनी भूमिका है! लोकतंत्र की आत्मा हर नागरिक में बसती है और धड़कती है। लोकतंत्र तभी खिलेगा, उसके मूल्य तब बढ़ेंगे जब नागरिक सजग होंगे, नागरिक योगदान देंगे और नागरिक जो योगदान देते हैं, उसका कोई विकल्प नहीं है। इसके अलावा उपराष्ट्रपति ने कहा कि किस तरह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए इमरजेंसी के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था। किस प्रकार सुप्रीम कोर्ट ने देश के नौ हाईकोर्ट के फैसलों को खारिज करते हुए मौलिक अधिकारों के निलंबन के पक्ष में फैसला सुनाया था।

दोस्ती की ऊंची उड़ान : सऊदी अरब के लड़ाकू विमानों ने विशेष सम्मान के तौर पर पीएम मोदी के प्लेन को किया एस्कॉर्ट

'मैं रणनीतिक साझेदारी परिषद (स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप काउंसिल) की दूसरी बैठक में भाग लेने और 2023 में मेरे भाई महामहिम प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की भारत की राजकीय यात्रा की तरह इसे सफल बनाने के लिए उत्सुक हूं।'

एजेंसी

रियाद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय सऊदी अरब यात्रा के लिए मंगलवार को रवाना हुए। उनके प्लेन की जेद्दा में लैंडिंग से पहले सऊदी एयर स्पेस में एक अनोखा नजारा देखने को मिला। पीएम मोदी के प्लेन को रॉयल सऊदी वायु सेना के लड़ाकू वीमानों ने सुरक्षा प्रदान की। विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया, 'दोस्ती की ऊंची उड़ान ! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजकीय यात्रा के एक विशेष संकेत के रूप में, उनके विमान को सऊदी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते ही रॉयल सऊदी वायु सेना ने एस्कॉर्ट किया। इससे पहले मंगरवाल को प्रस्थान से पहले

पीएम मोदी ने कहा, 'आज, मैं क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री महामहिम प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर सऊदी अरब की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर जा रहा हूं।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत सऊदी अरब के साथ अपने पुराने और ऐतिहासिक संबंधों को बहुत महत्व देता है, जिसने हाल के वर्षों में रणनीतिक गहराई और गति हासिल की है। साथ मिलकर, हमने रक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी और ठोस साझेदारी विकसित की है।'पीएम मोदी ने कहा, 'पिछले एक दशक में यह सऊदी अरब की मेरी तीसरी यात्रा होगी और ऐतिहासिक शहर जेद्दा की पहली यात्रा होगी। प्रधानमंत्री सऊदी अरब में भारतीय कामगारों से मुलाकात करेंगे और दोनों देशों के बीच आर्थिक व रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

बारातियों से भरी पिकअप दुर्घटनाग्रस्त, 7 की मौत

एजेंसी

सीधी। मध्यप्रदेश के सीधी जिले में बारातियों को ले जा रहे एक पिकअप वाहन के हादसे का शिकार होने से उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। कल देर रात हुए इस हादसे में 26 लोग घायल हैं। हादसा सीधी जिले के आदिवासी बाहुल्य कुसमी अंचल के उमरिया गांव के समीपी बहेरा डोल में हुआ। तेज रफ्तार में बारातियों को लेकर जा रही पिकअप के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने पर 7 बारातियों की मौके पर ही मौत हो गयी और 26 लोग घायल हो गये। सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से पास के अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बहेरा डोल निवासी प्रेमलाल बैगा की बारात रविवार को शहडोल के देवलोंद

स्थित गाड़ा नकुनी गई थी। सोमवार देर रात बारात वहां से आते समय भीषण दुर्घटना का शिकार हो गयी। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य शुरु किया गया। हादसे के 9 घायलों को रीवा रेफर किया गया है।

यूपी के नगरीय निकायों में आईजीआरएस के तहत दर्ज 92 फीसदी शिकायतों का समाधान

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने नगरीय निकायों में शिकायत निवारण तंत्र को अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ और प्रभावी बनाया है। एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) के तहत नगरीय निकायों में दर्ज 92 प्रतिशत शिकायतों का समाधान कर सरकार ने जनता के प्रति अपनी जवाबदेही को साबित किया है। इसके साथ ही, डेडिकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीसीसीसी) और जन सुनवाई जैसे तंत्रों के माध्यम से लाखों समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाता है। प्रत्येक दिन प्रभागवार निगरानी और त्वरित कार्रवाई ने इस प्रणाली को और भी प्रभावी बनाया है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में यूपी के नगर विकास विभाग ने नगरीय निकायों की शिकायत निवारण प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए आईजीआरएस ऑनलाइन पोर्टल की सुविधा प्रदान

की है। यह नागरिकों की शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज करने और उनके समाधान को सुनिश्चित करने का प्रभावी माध्यम साबित हो रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नगरीय निकायों में आईजीआरएस के तहत दर्ज शिकायतों में से 92 प्रतिशत का समाधान हो चुका है।

त्रिपुरा के सांसद ने वैष्णव से रेलवे परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का किया आह्वान

'विद्युतीकरण और गुवाहाटी तक वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा शुरू करने पर भी जोर दिया।'

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा के सांसद एवम पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने मंगलवार को राज्य में व्यापक रेलवे विकास के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से नयी दिल्ली में मुलाकात की।

बैठक के दौरान श्री देब ने बुनियादी ढांचे के उन्नयन, डबल-लेन ट्रैक और रेलवे लाइनों के विस्तार सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। चर्चा में खासकर, लुमडिंग-सबरूम और अगरतला-सबरूम खंडों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने मार्गों के विद्युतीकरण और

गुवाहाटी तक वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा शुरू करने पर भी जोर दिया। उन्होंने अगरतला को जम्मू, पुरी और गया से जोड़ने वाली लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू करने का प्रस्ताव रखा। श्री देब ने अमृत भारत योजना के तहत अगरतला, धर्मनगर, कुमारघाट और उदयपुर जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया और अगरतला स्टेशन को विश्व स्तरीय केंद्र में बदलने का आह्वान किया। अन्य मांगों में औद्योगिक रेल लिंक, जिरानिया यार्ड का विस्तार और अधिक यात्री ट्रेन सेवाएं शुरू करना शामिल था। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री ने इन प्रस्तावों के महत्व को स्वीकार किया तथा प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने बाबा रामदेव को हमदर्द और 'रूह अफजा' पर सांप्रदायिक टिप्पणी के लिए लगाई फटकार

अदालत ने रामदेव को एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेव को हमदर्द कंपनी और इसके लोकप्रिय पेय रूह अफजा के खिलाफ सांप्रदायिक टिप्पणियों के लिए कड़ी फटकार लगाई। हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया द्वारा दायर मुकदमे की शुरुआती सुनवाई में न्यायमूर्ति अमित बंसल ने रामदेव के बयानों को ÷अक्षम्य÷ बताते हुए कहा कि यह अदालत की चेतना को झकझोरता है। कोर्ट ने रामदेव के वकील को सख्त आदेश की चेतावनी दी और निर्देश लेने के लिए दोबारा पेश होने को कहा। अदालत ने रामदेव को एक

हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया, जिसमें वे वचन दें कि भविष्य में हमदर्द के खिलाफ कोई आपत्तिजनक बयान, विज्ञापन या सोशल मीडिया पोस्ट जारी नहीं करेंगे। कोर्ट ने इसके लिए एक सप्ताह का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 1 मई को तय की। रामदेव की ओर से वकील राजीव नैय्यर ने कोर्ट को बताया कि विवादित वीडियो को हटाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं और उनका मानना है कि मामला यहीं खत्म हो गया है। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि वीडियो देखने के बाद उन्हें अपने कानों और आंखों पर यकीन नहीं हुआ। दरअसल, 3 अप्रैल को रामदेव ने पतंजलि के गुलाब शरबत का प्रचार करते हुए हमदर्द पर विवादित टिप्पणी की थी। एक वायरल वीडियो में उन्होंने दावा किया कि हमदर्द अपनी कमाई से मस्जिद और मदरसे बनवाता है। रामदेव ने 'शरबत जिहाद' शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि हमदर्द का शरबत पीने से मस्जिद और मदरसे बनेंगे, जबकि पतंजलि का शरबत गुरुकुल, आचार्यकुलम और भारतीय शिक्षा बोर्ड को बढ़ावा देगा। उन्होंने हमदर्द के शरबत को 'लव जिहाद' और 'वोट जिहाद' से जोड़ा। इस बयान से आहत होकर हमदर्द ने हाईकोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने रामदेव के बयानों को सांप्रदायिक और आपत्तिजनक मानते हुए सख्त रुख अपनाया।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 के परिणाम घोषित, प्रयागराज की शक्ति दुबे ने किया टॉप

एजेंसी

नई दिल्ली । संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2024 के परिणाम घोषित कर दिए हैं। परीक्षा में प्रयागराज की शक्ति दुबे ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, हर्षिता गोयल ने दूसरा, डोंगरे अर्चित पराग ने तीसरा, शाह मार्गी चिराग ने चौथा, आकाश गर्ग ने पांचवां, कोमल पुनिया ने छठा और आयुषी बंसल ने सातवां स्थान हासिल किया है। पहला स्थान हासिल करने वालीं शक्ति दुबे ने राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध को अपने वैकल्पिक विषय के रूप में लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में स्नातक (बी.एससी.) किया है।दूसरा स्थान हासिल करने वालीं हर्षिता गोयल ने एमएस यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा से स्नातक (बी.कॉम.) ने राजनीति विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय संबंध को वैकल्पिक विषय के रूप में रखा था। वीआईटी, वेल्लोर से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक.) डिग्री धारक डोंगरे अर्चित पराग ने दर्शनशास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में रखते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। शाह मार्गी चिराग जो गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद से कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बी.ई. हैं, ने समाजशास्त्र को वैकल्पिक विषय में लिया था और उन्होंने चौथा स्थान प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बदली भारत की तक़दीर और तस्वीर : जयवीर शेरगिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने आज नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस अवसर पर शेरगिल अपने पिता, माता, पत्नी और बेटी के साथ मौजूद थे। भेंट के बाद, शेरगिल ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हुए अपना आभार व्यक्त किया। एक भावुक संदेश में उन्होंने लिखा,परिवार सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। प्रधानमंत्री ने मेरे पूरे परिवार को जिस स्नेह और सम्मान से नवाज़ा, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। बच्चों की मासूमियत, बड़ों की बुद्धिमत्ता और एक युवा कार्यकर्ता के दिल से जुड़ने की उनकी क्षमता वास्तव में प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री की परिवर्तनकारी नेतृत्व शैली की सराहना करते हुए उन्होंने आगे लिखा: प्रधानमंत्री जी ने अपने कठिन परिश्रम और दूरदृष्टि से भारत की तक़दीर और तस्वीर बदल दी है। पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत के प्रति उनका अटूट स्नेह उनके हर शब्द और कार्य में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। जयवीर शेरगिल ने अंत में प्रधानमंत्री से प्राप्त मार्गदर्शन और आशीर्वाद के लिए गहन कृतज्ञता व्यक्त की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के लिए रवाना, भारत-सऊदी संबंधों को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के लिए रवाना हुए। यह यात्रा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री, महामहिम प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर हो रही है। अपने इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी भारत-सऊदी अरब के ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा करने के लिए चर्चा करेंगे। यह यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी, बल्कि क्षेत्रीय शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता संभालने के बाद से भारत और सऊदी अरब के साथ-साथ खाड़ी क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा दी है। उनके नेतृत्व में भारत-सऊदी संबंधों ने रणनीतिक गहराई और गति प्राप्त की है। पीएम मोदी की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा है, जबकि उनसे पहले भारत के सभी प्रधानमंत्री पिछले सात दशकों में कुल मिलाकर तीन बार सऊदी अरब गए थे। यह खाड़ी क्षेत्र के किसी देश की भारतीय प्रधानमंत्री की 15वीं यात्रा भी है। सऊदी अरब रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कहा, ÷मैं जेद्दा, सऊदी अरब जा रहा हूं। वहां मेरी कई बैठकों और कार्यक्रमों में शामिल होने की योजना है। भारत सऊदी अरब के साथ अपने पुराने रिश्तों को बहुत महत्व देता है।

दिल्ली में फिर से बम की अफवाह, इस बार सरकारी दफ्तर निशाने पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कई सरकारी दफ्तरों में बम होने की सूचना दी गई। हालांकि, जांच के बाद बम की सूचना महज अफवाह निकली, लेकिन इससे दफ्तरों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि दिल्ली के नजफगढ़, द्वारका और कापसहेड़ा स्थित एसडीएस ऑफिसों में बम होने की सूचना पुलिस को मिली। यह सूचना एक ईमेल के जरिए भेजी गई थी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए संबंधित स्थानों को घेर लिया और एनडीएमए, फायर ब्रिगेड, डीडीएमए और बम निरोधक दस्तों सहित कई एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर सघन जांच अभियान चलाया। घंटों की जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह एक फर्जी ईमेल था और इन कार्यालयों में बम जैसी कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। हालांकि, सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सभी जरूरी कदम उठाए गए और किसी भी तरह की चूक न हो, इसके लिए एजेंसियों ने पूरी सतर्कता बरती। पुलिस अब इस फर्जी ईमेल की जांच कर रही है कि इसे किसने और क्यों भेजा। अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

उपराज्यपाल ने दिए मुस्तफाबाद हादसे की व्यापक मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुस्तफाबाद के दयालपुर में एक चार मंजिला आवासीय इमारत के ढहने की घटना की व्यापक मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिये हैं। हादसे में 11 लोगों की मौत हुई थी और कई अन्य घायल हुए। उपराज्यपाल ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट को जांच करने और हादसे के पीछे के कारणों का पता लगाने को कहा है। मजिस्ट्रेट को 15 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। राज निवास की ओर से सोमवार को जारी बयान में कहा गया, दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच को मंजूरी दे दी है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट जांच करेंगे और 15 दिनों के भीतर एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपेंगे। इस मामले में दिल्ली नगर निगम को अनाधिकृत निर्माण के लिए क्षेत्रीय अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी इस मामले की अलग से जांच का आदेश दिया है।

स्वास्थ्य सेवा पर सरकार का व्यय 2014 में 29 प्रतिशत से बढ़कर आज 48 प्रतिशत हो गया : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सिविल सेवा दिवस समारोह के दौरान 'आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना और आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से स्वस्थ भारत को बढ़ावा देना' शीर्षक से सत्र की अध्यक्षता की। इस मौके पर अपने संबोधन में जेपी नड्डा ने कहा कि देश के हर गरीब व्यक्ति को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर और एबी पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) एक बहुत ही सुविचारित प्रक्रिया का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि इसको लेकर 2015 में परामर्श शुरू हुआ, 2016 में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए । 2016 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति तैयार की गई जो स्वास्थ्य सेवा के सभी पहलुओं को समग्र रूप से कवर करने वाली पहली ऐसी नीति है। नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा पर सरकार का व्यय 2014 में 29 प्रतिशत से बढ़कर आज 48 प्रतिशत हो गया

है, जिससे लोगों के जेब से होने वाले खर्च में कमी आई है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में संक्रामक और गैर-संक्रामक रोगों की जांच और वहां प्रदान की जा रही सेवाओं के पैकेज का विस्तार करने से निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की बढ़ती चिंता को दूर करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक 2022 और राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) के तहत स्व-मूल्यांकन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने समय पर और प्रभावी निर्णय लेने, कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं पर काम करने, आशा कार्यकर्ताओं और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की क्षमता बढ़ाने, डिजिटल स्वास्थ्य हस्तक्षेप के हब-एंड-स्पोक मॉडल को मजबूत और संस्थागत बनाने तथा स्वास्थ्य प्रभावों की निगरानी और आकलन करने के लिए स्वास्थ्य प्रशासकों की क्षमता बढ़ाने पर भी प्रकाश डाला केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कम धन उपलब्ध कराने की कहानी जल्द ही समाप्त हो जाएगी। नड्डा ने युवा अधिकारियों से आग्रह किया कि वे स्वास्थ्य मंत्रालय के कार्यक्रमों से जमीनी स्तर पर प्राप्त फायदों के प्रभाव का सर्वेक्षण करवाएं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य सेवा में जबरदस्त प्रगति हुई है, लेकिन सरकार सभी के लिए सस्ती, सुलभ, समान और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी. के. पॉल ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लक्ष्य को प्राप्त करना है, यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक नागरिक को वित्तीय कठिनाई के बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि आज स्वास्थ्य कवरेज में न केवल उपचारात्मक उपचार शामिल है, बल्कि प्रोत्साहन, निवारक, उपशामक, पुनर्वास भी शामिल है।

जेएनयू छात्रसंघ चुनावः लेफ्ट और राइट संगठनों ने दिखाई ताकत, मशाल जुलूस में नारेबाजी

एजेंसी

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्रसंघ चुनाव से पहले लेफ्ट संगठन और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।दोनों संगठनों ने अपने-अपने चार उम्मीदवारों के साथ सैकड़ों समर्थकों के साथ विशाल मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से जमकर नारेबाजी हुई, जिससे कैंपस का माहौल तनावपूर्ण हो गया।एबीवीपी ने देर रात गंगा ढाबा से मशाल जुलूस शुरू किया। भगवा झंडे लहराते हुए और ढोल की थाप पर समर्थक जय श्री राम और जय भवानी के नारे लगाते हुए कैंपस में घूमे। दूसरी ओर, लेफ्ट यूनिटी (आइसा और डीएसएफ) ने साबरमती ढाबा से अपने चार उम्मीदवारों के साथ जुलूस निकाला। इस दौरान उनके समर्थकों ने विवादित नारा जो मुखिया की चाल चलेगा, वो मुखिया की मौत मरेगा लगाया।

एक समय ऐसा आया जब दोनों संगठनों के जुलूस आमने-सामने हो गए। नारेबाजी और तनाव बढ़ता देख जेएनयू सुरक्षा कर्मियों और सादे वेश में मौजूद दिल्ली पुलिस ने हस्तक्षेप कर दोनों समूहों को अलग-अलग रास्तों पर ले जाकर स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं, जेएनयू के मुख्य चुनाव आयोग ने पिछले शुक्रवार को हुए हंगामे और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए चुनाव प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी है। हालांकि, दोनों संगठनों को भरोसा है कि चुनाव तय तारीखों पर ही होंगे। उनके अनुसार, 23 अप्रैल को प्रेसिडेंशियल डिबेट और 25 अप्रैल को मतदान होगा। इसी विश्वास के साथ दोनों पक्ष चुनाव प्रचार में जुटे हैं। लेफ्ट संगठन और एबीवीपी दोनों ही अपने-अपने समर्थकों के साथ कैंपस में जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। मशाल जुलूस के जरिए दोनों ने अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय ने मुख्यमंत्री रेड्डी की विदेश यात्रा पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि जब राज्य में अकाल वर्षा और ओलावृष्टि के कारण हजारों एकड़ फसलें नष्ट हो चुकी हैं और किसान गहरे संकट में हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जापान यात्रा के नाम पर विदेश चले गए हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कम से कम मंत्रियों को निर्देश देने की मांग की ताकि वे संकटग्रस्त किसानों की मदद कर सकें। उन्होंने दोहराया कि पुराने शहर रात तक वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में हुई जनसभा निस्संदेह कांग्रेस द्वारा प्रायोजित थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ संपत्तियों के बड़े लुटेरे इस सभा में इकट्ठा हुए और भाजपा पर ज़हर उगला। बंदी संजय ने कहा कि मजलिस नेता ज़हरीले सांपों से भी अधिक खतरनाक हैं- वे मुस्लिमों से प्रेम का नाटक कर रहे हैं, लेकिन वक्फ की संपत्तियों को लूटकर उन्हें झोपड़ पट्टियों में धकेल रहे हैं। आज पीड़ापल्ली जिले में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस और मजलिस पार्टियों के रवैये की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि दारुस्सलाम में मजलिस द्वारा आयोजित जनसभा पूरी तरह से कांग्रेस प्रायोजित थी। रेवंत रेड्डी की सरकार ने इसके योजनाकार, क्रियान्वयनकर्ता और वित्तपोषक की भूमिका निभाई। वक्फ संपत्तियों को लूटने वाले सभी बड़े चोर एक साथ आए ताकि मुस्लिम समुदाय को गुमराह कर सकें। जैसे ज़हरीले सांप होते हैं, वैसे ही ये मजलिस नेता मुस्लिमों से झूठा प्रेम दिखाकर वक्फ संपत्तियों को हड़प रहे हैं और उन्हें गंदगी में धकेल रहे हैं- वे और भी खतरनाक हैं।बंदी संजय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें अंबेडकर का सच्चा उत्तराधिकारी बताया। उन्होंने संसद में मोदी के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अंबेडकर की आरक्षण की वजह से प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि मोदी लगातार अंबेडकर के विचारों को साकार करने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कई योजनाएं चला रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मोदी ने अंबेडकर की विरासत को अमर करने के लिए हर प्रयास जारी है। बंदी ने कहा कि भाजपा ही वह सच्ची पार्टी है जो दलितों और पिछड़े वर्गों को सशक्त बना रही है, जबकि ओवैसी को अंबेडकर का नाम लेने का भी अधिकार नहीं है। बंदी संजय ने वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध कर रहे नेताओं से पूछा, केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी) की रिपोर्ट के अनुसार देश में 8 लाख एकड़ से अधिक वक्फ संपत्तियां हैं, जिनकी कीमत 10 लाख करोड़ से अधिक है। क्या यह सच नहीं है कि इनमें से आधे से अधिक पर वक्फ बोर्डों के नाम पर कब्जा कर लिया गया है? इन संपत्तियों से सालाना 12,000 करोड़ से अधिक की आय होती है- क्या आप ही लोग वह पैसा नहीं हड़प रहे?

प्रधानमंत्री और अमेरिकी उपराष्ट्रपति की मुलाकात, द्विपक्षीय व्यापार समझौते में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के बीच हुई मुलाकात में भारत-यूएस द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से आज एक बयान जारी करते हुए कहा गया कि दोनों नेताओं ने इस दिशा में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का स्वागत किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, ÷दोनों देशों के लोगों के कल्याण पर केंद्रित पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का उन्होंने स्वागत किया। इसी तरह, उन्होंने ऊर्जा, रक्षा, रणनीतिक प्रौद्योगिकियों और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जारी प्रयासों को सराहा।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की। साथ ही विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और आगे बढ़ने के लिए संवाद और कूटनीति की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति वेंस से मुलाकात के दौरान जनवरी में उनकी वाशिंगटन डी.सी. की यात्रा

को याद किया, जहां उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उत्पादक चर्चा की थीं। इसने भारत और अमेरिका के बीच निकट सहयोग के लिए एक रोडमैप तैयार किया था।प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति, उनकी पत्नी उषा वेंस और उनके बच्चों को भारत में सुखद और उत्पादक प्रवास की शुभकामनाएं दीं। साथ ही, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को अभिवादन भेजा और इस साल के अंत में उनके भारत आने की आशा व्यक्त की।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति चार दिवसीय भारत यात्रा पर आज दिल्ली पहुंचे। दिन में वे परिवार सहित अक्षरधाम मंदिर गए। उनका आगे जयपुर और आगरा जाने का कार्यक्रम है।

भाजपा सांसद ने खास 'बैग' से गांधी परिवार को घेरा, 'नेशनल हेराल्ड' मामले पर पूछे तीखे सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद बांसुरी स्वराज संसद भवन में 'एक देश, एक चुनाव की संयुक्त संसदीय समिति' की बैठक में शामिल होने पहुंची, तो उनके बैग ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के बैग पर लिखा था, 'नेशनल हेराल्ड की लूट।' उन्होंने अपने बैग के जरिए गांधी परिवार पर सांकेतिक तरीके से निशाना साधने की कोशिश की। इसके साथ ही इसी संबंध में उनका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार पर सवाल उठाती दिख रही हैं। इस वीडियो में भाजपा सांसद

कहती हुई नजर आ रही हैं, यह पहली बार है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ यानी मीडिया को लेकर भी भ्रष्टाचार हुआ है। हाल ही में जो चार्जशीट ईडी ने दाखिल की है, उससे कई तरह के गंभीर आरोप उजागर होते हैं, इसमें कांग्रेस की एक पुरानी कार्यशैली उभरकर सामने आ रही है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा, वह सेवा की आड़ में अपनी व्यक्तिगत संपत्ति बढ़ाने में जुटी है। यह बहुत ही गंभीर मामला है। दो हजार करोड़ रुपए की संपत्ति कौड़ियों के भाव मात्र 50 लाख रुपए में यंग इंडिया लिमिटेड कंपनी ने हड़प ली। यह ऐसी कंपनी है, जिसका 76 फीसदी स्वामित्व गांधी परिवार के पास है, इसलिए उनकी जवाबदेही बनती है, न केवल देश की जनता के सामने, बल्कि 25 अप्रैल को कोर्ट के सामने भी। खास बात यह है कि भाजपा के तमाम दिग्गज नेता नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस और गांधी परिवार पर सवालिया निशान उठा रहे हैं। भाजपा का कहना है कि नेशनल हेराल्ड मामले से कांग्रेस पार्टी का असली चरित्र देश की जनता के सामने आ गया है। कांग्रेस और गांधी परिवार ने जिस तरह से नेशनल हेराल्ड घोटाले को अंजाम दिया, उसके लिए उन्हें सजा मिलनी चाहिए।

मेयर और डिप्टी मेयर के लिए नामांकन, भाजपा- कांग्रेस मैदान में, आप ने बनाई दूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मेयर और डिप्टी मेयर पदों के लिए भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया। आज नामांकन भरने की अंतिम तिथि थी। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने इन चुनावों में अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का फैसला किया है। भाजपा की ओर से वरिष्ठ नेता राजा इकबाल सिंह ने मेयर पद के लिए और जय भगवान यादव ने डिप्टी मेयर पद के लिए नामांकन दाखिल किया। राजा इकबाल सिंह वर्तमान में दिल्ली नगर निगम में विपक्ष के नेता हैं और मुखर्जी नगर, वार्ड संख्या-13 से पार्षद हैं। जय भगवान यादव बेगमपुर, वार्ड संख्या-27 से पार्षद हैं। इकबाल सिंह और जय भगवान यादव ने सांसद हर्ष मल्होत्रा, योगेन्द्र चंदोलिया और कमलजीत सिंह सहरावत की उपस्थिति में आज नामांकन दाखिल किया। आआपा के मेयर चुनाव में भाग नहीं लेने को भाजपा के मेयर पद के उम्मीदवार राजा इकबाल सिंह ने दिल्ली की जनता की जीत बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता आआपा सरकार से तंग आ चुकी थी। अब ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी और दिल्ली का विकास शुरू होगा। पूरे सिविक सेंटर में कमल खिलेगा। हमें लोगों का भरपूर समर्थन मिला है।

नए कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को सरल, तेज और अधिक जनोन्मुखी बनाना है : अमित शाह

एजेंसी

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि नए कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को सरल, तेज और अधिक जनोन्मुखी बनाना है। उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार से समन्वय और तत्परता की अपेक्षा जताई। शाह सोमवार को नई दिल्ली स्थित नॉर्थ ब्लॉक में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को लेकर राज्य की प्रशासनिक और तकनीकी तैयारियों की समीक्षा और कर रहे थे। केंद्रीय गृहमंत्री शाह की अध्यक्षता में आज नई दिल्ली में हुई इस बैठक में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन और नक्सलवाद के उन्मूलन, बस्तर के समग्र विकास और राज्य में सुरक्षा व न्याय तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने पर भी चर्चा हुई। इसमें भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर चर्चा की गई। साथ ही पुलिस, जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार के अब तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने शीघ्र नए क़ानूनों

को राज्य में शत प्रतिशत लागू करने पर बल दिया। इससे पूर्व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में बताया कि छत्तीसगढ़ में नए आपराधिक कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशासनिक व तकनीकी तैयारियाँ पूरी की जा चुकी हैं। राज्य में 27 प्रकार की एसओपी और दिशा-निर्देश तैयार कर लागू किए गए हैं। इसके साथ ही लगभग 37,385 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। न्यायालयों, पुलिस थानों और जेलों को ई-साक्ष्य और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम से लैस किया गया है। राज्य में अब तक 53,981 एफआईआर नए कानूनों के तहत दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से लगभग 50 फीसद मामलों में चालान प्रस्तुत हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नक्सल समस्या के स्थायी समाधान के लिए भी विशेष रणनीति पर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि हाल के महीनों में राज्य में चलाए गए ऑपरेशनों में कई वांछित नक्सली मारे गए, गिरफ्तार हुए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा 30 जून से पिथौरागढ़ के रास्ते होगी प्रारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। कैलाश मानसरोवर यात्रा का पांच साल बाद 30 जून से शुभारंभ होगा। यात्रा का संचालन उत्तराखण्ड सरकार एवं विदेश मंत्रालय करेगा। इस वर्ष आयोजित होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा-2025 के सम्बन्ध में नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय में आयोजित बैठक में कैलाश मानसरोवर यात्रा-2025 के सकुशल संचालन के सम्बन्ध में विचार-विमर्श किया गया।बैठक में निर्णय लिया गया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा-2025 का संचालन कुमाऊं मण्डल विकास निगम द्वारा किया जाएगा। यह यात्रा दिल्ली से प्रारम्भ होकर पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास मार्ग से संचालित की जाएगी। यात्रा 30 जून से प्रारम्भ होगी, जिसमें 50-50 व्यक्तियों के कुल 5 दल (कुल 250 व्यक्तियों) द्वारा यात्रा की जाएगी।जनपद पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास से प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा कोविड-19 संक्रमण और चीन के साथ संबंधों के बिगड़ने के कारण वर्ष 2020 से संचालित नहीं हुई। चीन के साथ संबंधों के सामान्य होने के बाद से विदेश मंत्रालय चीन सरकार के साथ कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर बातचीत कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि इस वर्ष कैलाश मानसरोवर यात्रा होगी। कैलाश मानसरोवर यात्रा करने वाला प्रथम दल 10 जुलाई को लिपुलेख पास से होते हुए चीन में प्रवेश करेगा तथा अन्तिम यात्रा दल 22 अगस्त को चीन से भारत के लिए प्रस्थान करेगा। प्रत्येक दल दिल्ली से प्रस्थान कर टनकपुर में 01 रात्रि, धारचूला में 01 रात्रि, गुंजी में 02 रात्रि तथा नाभीढांग में 02 रात्रि रुकने के बाद (तकलाकोट) चीन में प्रवेश करेगा। कैलाश दर्शन के उपरान्त वापसी में चीन से प्रस्थान कर स्थान बूंदी में 01 रात्रि, चौकोड़ी में 01 रात्रि, अल्मोड़ा में 01 रात्रि रुकने के बाद दिल्ली पहुंचेगा। इस प्रकार यात्रा के दौरान प्रत्येक दल द्वारा कुल 22 दिनों की यात्रा की जाएगी। यात्रा करने वाले सभी यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण सर्वप्रथम दिल्ली में किया जाएगा तथा गुंजी (पिथौरागढ़) पहुंचने पर आई.टी.बी.पी. के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

भाजपा के वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की शुरुआत, दिल्ली में 5 मई तक चलेगा अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की शुरुआत हो गई है। इस अभियान को सफल बनाने के मकसद से दिल्ली भाजपा ने एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी एवं प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, संयोजक आतिफ रशीद, अल्पसंख्यक मोर्चा दिल्ली प्रदेश प्रभारी कारी मोहम्मद हारून, अध्यक्ष अनीश अब्बासी मौजूद रहे। इस मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने मुस्लिम समाज को वक्फ संशोधन अधिनियम से मिलने वाले लाभ के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पांच मई तक मंडल स्तर पर इस जन जागरण अभियान का आयोजन किया गया है ताकि विपक्ष द्वारा दिल्ली के लोगों को वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम को दूर किया जा सके। अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार किसी भी हालत में वक्फ बोर्ड को कमजोर नहीं करना चाहती है बल्कि उसे लौह स्तंभ की तरह और मजबूत करना चाहती है, इसके लिए कुछ संशोधन

किए गए हैं। इसे देश के मुसलमानों को धैर्यपूर्ण समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस कानून के माध्यम से देश के अनेकों राज्यों में भाजपा सरकार वक्फ़ प्रॉपर्टियों को कब्जे से मुक्त करवाएगी और गरीब, पिछड़े मुस्लिमों को उनका हक दिलवाने का काम करेगी। इसी कारण इन प्रॉपर्टी चोरों पर नकेल कसने के लिए ही ये संशोधन अधिनियम लाया गया है। जमाल ने कहा कि आने वाले समय में भारत में मुसलमानों का विकास होने से कोई रोक नहीं सकता क्योंकि दुनिया में लोगों का भला करने के लिए अल्लाह अपना एक बंदा भेजता है और हमारे बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अल्लाह के उसी बंदे के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर भाजपा दिल्ली प्रदेश के महामंत्री विष्णु मित्तल ने कहा कि वक्फ़ बोर्ड का मतलब भ्रष्टाचार का अड्डा था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता के चलते और देश के मुसलमानो के अधिकारों की रक्षा करते हुए इस विधेयक को संसद से पास करवाया। अब इस कानून से भ्रष्टाचारियों द्वारा कब्जाई जमीनें मुक्त हो सकेंगी और जरूरतमंदों के हितों में काम आ सकेंगी। अल्पसंख्यक मोर्चा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष अनीश अब्बासी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास का विस्तार हो रहा है जिसमें महिलाओं की सहभागिता को प्रमुख रूप से देखा जा रहा है।

दिल्ली में भीषण गर्मी और बिजली कटौती पर आतिशी ने सीएम रेखा गुप्ता पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में बढ़ती गर्मी और लगातार हो रही बिजली कटौती से लोग बेहद परेशान हैं। रविवार को दिल्ली में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, और इस भीषण गर्मी के बीच कई इलाकों में रात के समय घंटों तक बिजली गुल रही। इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से सवाल किए हैं। आतिशी ने कहा कि राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में लंबे-लंबे पावरकट लगे हैं, जिससे लोग बेहद मुश्किल में हैं। लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दावा है कि दिल्ली में कहीं कोई बिजली कटौती नहीं हो रही और लोग खुद कैंडल लाइट डिनर करने के लिए अपनी लाइटें बंद कर रहे हैं। आतिशी ने सवाल किया, क्या सोशल मीडिया पर सभी दिल्लीवासी झूठ बोल रहे हैं? क्या सभी ने कैंडल लाइट डिनर करने के लिए अपनी लाइटें बंद कर मोमबत्तियां जला ली हैं? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को दिल्लीवासियों का मजाक उड़ाने के बजाय बिजली समस्या का समाधान करना चाहिए। आतिशी ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में बताया कि कैसे उन्हें देर रात तक अलग-अलग इलाकों से बिजली कटौती की शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने बताया कि भजनपुरा में रात 11:05 बजे बिजली गुल होने की शिकायत, संगम विहार (सी-ब्लॉक) में रात 12:44 बजे बिजली न होने की जानकारी, कमला नगर में रात 1:51 बजे एक घंटे से ज्यादा की बिजली कटौती, जीवन पार्क, उत्तम नगर में रात 1:52 बजे एक घंटे से ज्यादा बिजली गुल, सेक्टर 2, द्वारका में रात 1÷53 बजे से दो घंटे से ज्यादा बिजली नहीं, सोनिया विहार में सुबह 4÷16 बजे से लगातार बिजली नहीं, भोगल में सुबह 4÷26 बजे से एक घंटे से ज्यादा की बिजली कटौती। आतिशी ने दावा किया है कि ये सब शिकायतकर्ता भाजपा समर्थक हैं। इसके अलावा, कोटला मुबारकपुर के लोगों ने लगातार वोल्टेज फ्लक्चुएशन की शिकायत की। नेता प्रतिपक्ष ने दोहराया कि दिल्ली में जगह-जगह से ऐसी शिकायतें मिल रही हैं। क्या यह सब झूठ है? क्या कमला नगर, संगम विहार, भोगल, उत्तम नगर जैसे इलाके काल्पनिक हैं? आतिशी ने मुख्यमंत्री से अपील की कि जनता की पीड़ा को समझें और उसका हल निकालें। उन्होंने कहा, दिल्लीवाले पावरकट नहीं चाहते।

संपादक की कलम से

अब सुप्रीम कोर्ट को धौंस !

दुबे ने एकवचन में गृहयुद्ध की नहीं, बहुवचन में "गृहयुद्धों" की बात कही है। उसका इशारा सुप्रीम कोर्ट के हाल के कुछ और महत्वपूर्ण फैसलों की ओर भी है। इशारा खासतौर पर राज्यपालों की भूमिका और विशेष रूप से राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों के संदर्भ में राज्यपालों की भूमिका को लेकर, तमिलनाडु बनाम राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के हाल के ही फैसले की ओर है।

फासीवादियों की एक जाने-मानी रणनीति है। जो खुद करना चाहते हो, करने जा रहे हो, विरोधी पर वही करने का आरोप लगा दो। भाजपा के बदजुबान पर मोदी जी निजाम के मुंहलगे सांसद, निशिकांत दुबे सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, संजीव खन्ना पर "देश में हो रहे सभी गृह युद्धों" की जिम्मेदारी डालने के जरिए, ठीक यही दांव आजमा रहे थे। कहने की जरूरत नहीं है कि दुबे का उक्त बयान, वक्फ कानून की वैधता के लिए चुनौतियों की सुनवाई के क्रम में संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले सुप्रीम कोर्ट के तीन सदस्यीय खंडपीठ द्वारा अपनाए गए आरंभिक रुख के संदर्भ में आया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में क्या कहा है और क्या किया है, इसकी चर्चा हम जरा आगे चलकर करेंगे। यहां सिर्फ इतना कि अगर भाजपा के अघोषित प्रवक्ता के रूप में दुबे को, इस संदर्भ में गृहयुद्धों की याद आ गयी है, तो यह संयोग ही नहीं है। इसमें वक्फ कानून को लाने के पीछे संघ-भाजपा निजाम के असली मकसद का इशारा है। और यह मकसद है, मुसलमानों की स्थिति को और कमजोर करना, उन्हें और दबाना, जिसके संबंध में वे भी बखूबी जानते हैं कि यह देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। लेकिन, किसी कमजोर, अल्पसंक्रयक को दबाने वाला गृहयुद्ध ही उनका वाक्य है न कि गृहयुद्ध से बचाव।याद रहे कि दुबे ने एकवचन में गृहयुद्ध की नहीं, बहुवचन में "गृहयुद्धों" की बात कही है। उसका इशारा सुप्रीम कोर्ट के हाल के कुछ और महत्वपूर्ण फैसलों की ओर भी है। इशारा खासतौर पर राज्यपालों की भूमिका और विशेष रूप से राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों के संदर्भ में राज्यपालों की भूमिका को लेकर, तमिलनाडु बनाम राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के हाल के ही फैसले की ओर है। उस निर्णय से जुड़ा गृहयुद्ध का इशारा, आम तौर पर राज्यों की स्वायत्तता के खिलाफ और खासतौर पर दक्षिण भारतीय राज्यों की भाषायी-सांस्कृतिक-सामाजिक स्वायत्तता के खिलाफ, संघ-भाजपा की एकात्मकतावादी मुहिम में निहित गृहयुद्ध की संभावनाओं की ओर है।इस प्रसंग में इसकी याद दिलाना अप्रासांगिक नहीं होगा कि तमिलनाडु की "हिंदी थोपे जाने" की चिंताओं का आधे-अधूरे तरीके से सरकार की ओर से खंडन किए जाने के बीच ही, महाराष्ट्र की भाजपा-नीत गठजोड़ सरकार ने तमिलनाडु की आशंकाओं को ही सच साबित करते हुए, इसका ऐलान कर दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत, त्रिभाषा फामूर्ले की तीसरी भाषा के रूप में महाराष्ट्र में "हिंदी" अनिवार्य की जा रही है। हैरानी की बात नहीं है कि इस निर्णय का व्यापक रूप से विरोध भी हो रहा है। बहरहाल, इसके सामानांतर मुंबई के कुछ हिस्सों से एक बार फिर गुजरातियों और मराठियों के बीच तनाव बढ़ने की खबरें आने लगी हैं।यह भी याद रहे कि तमिलनाडु बनाम राज्यपाल प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ हमले की शुरूआत, निशिकांत दुबे से दो-तीन दिन पहले,भारत के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कर चुके थे। धनखड़ जो सर्वोच्च न्यायालय के तथाकथित "अतिक्रमणों" से संसद की और वास्तव में कार्यपालिका की हिफाजत करने के नाम पर पहले भी कई बार तलवार भांज चुके हैं, इस बार सर्वोच्च न्यायालय से इस बात से खफा थे कि उसने राज्यपालों द्वारा और यहां तक कि राष्ट्रपति द्वारा भी, राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित किए गए विधेयकों पर मंजूरी या नामंजूरी का निर्णय करने के लिए, तीन महीने की अधिकतम सीमा तय कर दी है। उनके अनुसार यह राष्ट्रपति की और उसकी नियुक्तियों के रूप में राज्यपालों की भी 'सर्वोच्चता' का अतिक्रमण है! अदालत राष्ट्रपति को कुछ भी निर्देश कैसे दे सकती है, भले ही यह इसी का निर्देश क्यों न हो कि राज्य विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर बैठे ही नहीं रहें, तीन महीने के अंदर उन पर अपना कोई न कोई फैसला दे दें! सर्वोच्च न्यायालय को "पूर्ण न्याय" करने में समर्थ बनाने वाली संविधान की धारा-142 को तो उपराष्ट्रपति धनखड़ ने "जनतांत्रिक ताकतों के खिलाफ नाभिकीय मिसाइल, जो न्यायपालिका को 24 घंटा 7 दिन उपलब्ध है" ही करार दे दिया। यह इसके बावजूद था कि बाबरी मस्जिद बनाम रामजन्म भूमि विवाद में, मंदिर के पक्ष में अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कथित रूप से "पूर्ण न्याय" करने के लिए ठीक इसी धारा का सहारा लिया था।फिर भी यह अकारण ही नहीं है कि धनखड़ से भिन्न, निशिकांत दुबे तथा दिनेश शर्मा जैसे भाजपायी सांसदों ने, आम तौर पर सर्वोच्च न्यायालय पर और खासतौर पर मुख्य न्यायाधीश पर निशाना साधते हुए, वक्फ बोर्ड के मुद्दे को ही सबसे आगे रखा है। इसका सीधा संबंध, वक्फ कानून में संशोधनों के हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक मंतव्यों से है। बेशक, संघ-भाजपा की ओर से इसका काफी स्वांग भी किया जाता रहा है और जाहिर है कि इसमें संसद में बहस के दौरान तथा उसके बाद के भी उनके जुबानी दावे भी शामिल हैं, कि ये संशोधन वास्तव में मुसलमानों को लाभ पहुंचाने की चिंता से किए जा रहे हैं। कि इन संशोधनों से विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं व पसमांदा मुसलमानों को और मुसलमानों के बोहरा आदि कमजोर पंथों को फायदा मिलने वाला है। कि इसका हिंदुओं के तुष्टिकरण से कोई संबंध नहीं है, आदि।

मानव सभ्यता को बचाने के लिये पृथ्वी संरक्षण जरूरी

-ललित गर्ग-

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता संकट को रोकने के लिए कार्रवाई का एक क्रांतिकारी आह्वान है पृथ्वी दिवस जो पूरे विश्व में 22 अप्रैल को मनाया जाता है। पृथ्वी या सृष्टि के संरक्षण और स्थिरता के लिए जागरूकता पैदा करना इसलिये आवश्यक हो गया कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और वनों की कटाई के कारण प्रकृति एवं पर्यावरण पर गहरे संकट है। वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम है ह्यहमारी शक्ति, हमारा ग्रहह्ल, जो यह स्पष्ट करता है कि जलवायु परिवर्तन और हमारे पर्यावरण के दुरुपयोग से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा की तत्काल आवश्यकता है। हमारे स्वास्थ्य, हमारे परिवारों, हमारी आजीविका और हमारी धरती को एक साथ संरक्षित करने का समय आ गया है। पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो पहली बार सन- 1970 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक करना है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

190 से अधिक देशों को पृथ्वी दिवस में शामिल करते हुए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है जो प्लास्टिक प्रदूषण, नवीकरणीय संसाधन, ग्लोबल वार्मिंग और टिकाऊ जीवन जैसी प्रमुख पर्यावरणीय चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। वृक्षारोपण, सफाई अभियान, शैक्षिक अभियान और वकालत वैश्विक स्तर पर सरकारों, संगठनों, स्कूलों और समुदायों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में से हैं। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण की दृष्टि से अधिक सही निर्णय लेने तथा पृथ्वी के अनुकूल नीतियों के पक्ष में खड़ा करता है और इस बात पर जोर देता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप कहीं भी रहते हों, आप पृथ्वी को अधिक स्वस्थ और टिकाऊ बनाने में योगदान दे सकते हैं और ऐसा करते हुए शांति की स्थापना एवं शांतिपूर्ण जीवन को सुदृढ़ बना सकते हैं। इस दिवस के माध्यम से ऐसे विचारों एवं जीवनशैली को संगठित करना है जिससे पर्यावरण नीति निमार्ता सरकारों को प्रेरित करें ताकि पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए कानूनों और प्रथाओं में बदलाव हो सके एवं वैज्ञानिक नवाचारों और हरित प्रौद्योगिकियों के विचार को बल देते हुए पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने और भविष्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा सके।

आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रुव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिंग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ जाएगी एवं अनेक नयी-नयी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी। इसीलिये विश्व पृथ्वी दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन को संभव बनाने की दिशा में काम करेगा क्योंकि यह पर्यावरण जागरूकता की संस्कृति को विकसित करता है और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को पृथ्वी का सक्रिय संरक्षक बनने के लिए सशक्त बनाता है।

जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्जा देते हैं उसे हम खुद अपने ही हाथों दूषित करने में कैसे लगे रहते हैं? आज जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। अगर पृथ्वी के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाए तो मानव जीवन कैसे सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा? पृथ्वी है तो सारे तत्व हैं, इसलिये पृथ्वी अनमोल तत्व है। इसी पर आकाश है, जल, अग्नि, और हवा है। इन सबके मेल से प्रकृति की संरचना सुन्दर एवं जीवनमय होती है। अपने-अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वी पर अत्याचार रोकना होगा और कार्बन उत्सर्जन में कटौती पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से औद्योगिक क्रांति पर नियंत्रण करना होगा, क्योंकि उन्हीं के कारण कार्बन उत्सर्जन और दूसरी तरह के प्रदूषण में बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव-जंतु, प्राकृतिक स्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही है। विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही इस दिवस को मनाया जाता है।

आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है, न अमेरिका का टैरिफ वार है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा का मामला है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार विकराल एवं भीषण आकार ले रही गर्मी, सिकुड़ रहे जलस्रोत, विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। बढ़ती जनसंख्या, बढ़ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब पृथ्वी एवं पृथ्वीवासियों के लिए सबसे बडे. खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना ही विश्व पृथ्वी दिवस का ध्येय है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। साथ ही साथ हमारा सुविधावादी नजरिया एवं जीवनशैली पृथ्वी और उसके पर्यावरण एवं प्रकृति के लिये एक गंभीर खतरा बन कर प्रस्तुत हो रहा हैं। जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से पृथ्वी और प्रकृति का निर्माण होता है। यदि यह तत्व न हों तो पृथ्वी और प्रकृति इन तीन तत्वों के बिना अधूरी है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है। आधुनिकीकरण के इस दौर में जब इन संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन हो रहा है तो ये तत्व भी खतरे में पड़ गए हैं। अनेक शहर पानी की कमी से परेशान हैं। कत्लखानों में कटती गायों की निरीह आहें जिसे बेचैन कर देती थी। जो वन्य पशु-पक्षियों को खदेड़कर अपनी बस्तियों बनाने का बौना स्वार्थ नहीं पालता था। अब वही मनुष्य अपने स्वार्थ एवं सुविधावाद के लिये सही तरीके से प्रकृति का संरक्षण न कर पा रहा है और उसके कारण बार-बार प्राकृतिक आपदाएं कहर बरपा रही है। रेगिस्तान में बाढ़ की बात अजीब है, लेकिन हमने राजस्थान में अनेक शहरों में बाढ़ की विकराल स्थिति को देखा हैं। वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा।

आज पॉलीथीन पृथ्वी के लिये सबसे बड़ा सिरदर्द बन गई है। इसके नष्ट न होने के कारण भूमि की उर्वरक क्षमता खत्म हो रही है। इनको जलाने से निकलने वाला धुआँ ओजोन परत को भी नुकसान पहुँचाता है जो ग्लोबल वार्मिंग का बड़ा कारण है। देश में प्रतिवर्ष लाखों पशु-पक्षी पॉलीथीन के कचरे से मर रहे हैं। हमें वर्षा के जल को पुनः उपयोग में लाने वाली प्रणाली को विकसित करना होगा। हमें बिजली की बबार्दी को भी रोकना होगा अन्यथा वह दिन दूर नहीं है जब हम अंधेरे में ही अपना जीवन-यापन करने को मजबूर हो जायेंगे। हमें कागज के उपयोग को सीमित करना होगा, क्योंकि कागज पेड़ों की लकड़ी से बनता है जिसके लिए हमें बड़ी संख्या में पेड़ काटने पड़ते हैं। आजकल भूमि भी जहरीली होती जा रही है जिससे उसमें उगने वाली वनस्पतियों में विषाक्तता बढ़ती जा रही है। प्रकृति से सहज रिश्ता कायम हो। जीवन शैली में बदलाव आये। हर क्षेत्र में संयम की सीमा बने। हमारे दिमागों में भी जो स्वार्थ एवं सुविधावाद का शैतान बैठा हुआ है, उस पर अंकुश लगे। अन्यथा निकट भविष्य में मानव सभ्यता का अंत दिखाई दे रहा है।

भारत में कम हो रहे सर्वाइकल कैंसर के मामले, एम्स की डॉक्टर ने बताया कैसे

सर्वाकल कैंसर को लेकर राहत भरी खबर है. यह खबर नेशनल एकेडमिक ऑफ मेडिकल सांइस (ठअटर) से आई है. ठअटर की वाइस प्रेसिडेंट प्रोफेसर नीरजा भाटला का दावा है कि देश में सर्वाकल कैंसर को लेकर जागरुकता और सरकारी पहल का असर देखने को मिल रहा है. टीवी9 भारतवर्ष से खास बातचीत में उन्होंने दावा किया कि आईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) में जिस तरह सर्वाइकल कैंसर को लेकर मामले दर्ज होते थे उनमें कमी आई है. इसकी बड़ी वजह सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन भी है.

ग्लोबोकन 2020 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 123,907 नए सर्वाइकल कैंसर के मामले पाए गए हैं और इस बीमारी से 77,348 लोगों ने अपनी जान गवां ली है. पैप स्मीयर या एचपीवी परीक्षणों के साथ नियमित जांच से कैंसर पूर्व घावों का पता लगाया जा सकता है, जिससे की समय रहते इलाज शुरू कर इसे ठीक किया जा सके. देश में हर दिन इसकी वजह से करीब 200 महिलाओं की मृत्यु होती है. लेकिन अब मामलों में पहले की तुलना में कमी आ रही है.

क्या है सर्वाइकल कैंसर

सर्वाइकल कैंसर के सभी मामले ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (ल्ढश्) इन्फेक्शन से जुड़े होते हैं, जो यौन संचारित रोग है. आंकड़े यह भी बताते हैं कि भारत में प्रति 1000 महिलाओं में 17.7 महिला सर्वाइकल कैंसर से ग्रसित हैं. हल्ड के मानकों के मुताबिक इन आंकड़ो के कम करके 4 प्रतिशत तक लाना है. भारत में जिस हिसाब से सर्वाइकल कैंसर के मामले हैं उनपर कन्ट्रोल करते करते साल 2062 हो जाएगा. डॉ नीरजा ने बताया कि यदि पीरियड्स के बीच में ब्लीडिंग होता है, यौन संसर्ग के बाद ब्लीडिंग, दुर्गंधयुक्त श्वेत स्राव और कमर के निचले भाग में दर्द या पेट के निचले हिस्से में भी तकलीफ महसूस हो सकती है. इसके साथ ही पेशाब करने के दौरान अचानक दर्द या कठिनाई महसूस होना भी इसके लक्षण हैं. सर्वाइकल कैंसर एचपीवी वायरस से होता है

राहुल ने खोली चुनाव आयोग की पोल

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जब भी विदेश दौरों पर जाते हैं, भारतीय जनता पार्टी और उसकी सरकार की जान सांसत में होती है। राहुल गांधी इस समय नेता प्रतिपक्ष हैं ही, उन्हें एक बड़े नेता के तौर पर भी देखा जाता है। देश में तो राहुल गांधी भाजपा एवं उसकी एनडीए सरकार के खिलाफ संसद के भीतर-बाहर अभियान छेड़े हुए हैं ही, विदेशों में भी प्रवासी भारतीयों, छात्रों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों से वे लोकतंत्र के लिए अपनी चिंताओं को साझा करते हैं। राहुल अभी अमेरिका प्रवास पर हैं। वहां उन्होंने अपनी पहली सभा में भारत के केन्द्रीय निर्वाचन आयोग की कार्यपद्धति की जमकर आलोचना की। किस तरह से पूरी निर्वाचन पद्धति सत्तारुढ़ भाजपा के पक्ष में काम करती है, उन्होंने इसका लेखा-जोखा सामने रखा है।

अमेरिका के बोस्टन शहर पहुंचे राहुल ने व्यवसायियों और वहां रहने वाले भारतीयों से बातचीत में भारत के चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'हमारे सामने यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है और निर्वाचन प्रणाली में व्यापक गड़बड़ियां हैं।' राहुल गांधी ने कहा- 'मैंने यह कई बार बताया है, खासकर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रदेश के वयस्क नागरिकों की संख्या से कहीं अधिक लोगों ने वोटिंग की। चुनाव आयोग द्वारा शाम 5.30 बजे तक मतदान के आंकड़े जारी किये गये थे। बाद में जो अंतिम आंकड़े प्रदान किये गये उसके अनुसार शाम 5.30 बजे से 7.30 बजे के बीच 65 लाख लोगों ने मतदान किया। ऐसा होना संभव ही नहीं है क्योंकि एक व्यक्ति को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं। इस हिसाब से तो सुबह 2 बजे तक मतदाताओं की कतारें लगनी चाहिये थीं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब कांग्रेस व विपक्ष ने आयोग से वीडियो सबूत मांगे तो उसे न केवल मना कर दिया गया बल्कि आयोग ने कानून ही बदल दिया ताकि विपक्षी दल वीडियोग्राफी के लिए न कह सकें।'

गौरतलब है कि राहुल ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान ऐसे वक्त में चुनावी गड़बड़ियों की ओर इशारा किया है जब कुछ ही दिनों पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनके खासमखास दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने साफ किया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। बैलेट पेपर की हिमायत करते हुए मस्क ने तो यहां तक कहा है कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। यानी वे उस आरोप की पुष्टि कर रहे हैं जो भारत के कई विपक्षी दल 2022 से लगा रहे हैं। आरोप हैं कि पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में वोटिंग मशीनों में बड़े पैमाने पर धांधली कर भाजपा ने दो-चार नहीं वरन लगभग 80 सीटें जीती हैं। इतना ही नहीं, कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी एक खास पैटर्न के द्वारा हारती हुई भाजपा ने चंद घंटों में इतनी सीटें जीत लीं कि वह सरकार बनाने में कामयाब हो गयी। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के उदाहरण इस सिलसिले में दिये जाते हैं। वैसे तो भारत में जिस तरह से शासकीय मशीनरी के जरिये लोकतंत्र को अपहृत किया गया है और मोदी सरकार निरंकुश तरीके से काम कर रही है, वह दुनिया अब जान चुकी है, राहुल द्वारा जो बातें भारतीय समुदायों के समक्ष कही जा रही हैं, वह दूर तलक जायेगी क्योंकि वहां का मीडिया एक तरह से वैश्विक कहा जाता है जो निश्चित ही भारतीय मीडिया के मुकाबले बहुत अधिक जनतांत्रिक, स्वतंत्र और निष्पक्ष है। भारत का मीडिया विपक्ष की बातों को जहां स्थान नहीं देता वहीं अमेरिकी या लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व किसी भी देश का मीडिया सरकार की बजाय प्रतिपक्ष को तरजीह देता है।

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

-ललित गर्ग-

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है।

त्रिभाषा फामूर्ले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेजी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फामूर्ले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फामूर्ले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फामूर्ले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है।

तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडू में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वसंक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे।

अमेरिका में हवाई अड्डे पर एयरबस ए330 में लगी आग

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के ऑरलैंडो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डेल्टा एयर लाइन्स एयरबस ए330 में आग लग गई, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। फॉक्स35 प्रसारक ने संघीय उड्डयन प्राधिकरण (एफएए) का हवाला देते हुए बताया कि विमान में फंसे 200 से अधिक लोगों को निकाला गया। एफएए के आंकड़ों के अनुसार, एयरबस ए330 282 यात्रियों, 10 फ्लाइट अटेंडेंट और दो पायलटों के साथ ऑरलैंडो से अटलांटा के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। जैसे ही विमान चलना शुरू हुआ, लोगों ने इंजन के टेलपाइप में आग की लपटें देखीं। फॉक्स35 ने बताया कि निकासी के बाद, सभी यात्रियों को वापस टर्मिनल पर ले जाया गया। प्रसारक ने घटना का एक वीडियो भी प्रकाशित किया। यात्री आपातकालीन स्लाइड के माध्यम से विमान से बाहर निकल रहे थे, तभी अग्निशमन दल वहां पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। फॉक्स35 ने बताया कि घटना में किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। घटना के कारणों की पुष्टि नहीं हो पाई है। फॉक्स35 ने डेल्टा एयर लाइन्स के हवाले से बताया कि रखरखाव टीमें आग के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

टेक्सास वॉलमार्ट में 23 लोगों की हत्यारे शूटर को नहीं दी जायेगी मौत की सजा

ह्यूस्टन। अमेरिकी राज्य टेक्सास के एल पासो में वॉलमार्ट में 2019 में हिस्पैनिक प्रवासियों को निशाना बनाकर किए गए हमले में 23 लोगों की हत्या करने वाले शूटर पैट्रिक क्रूसियस को राज्य की अदालत में दोषी ठहराए जाने के बाद मौत की सजा नहीं दी जाएगी। इसके बजाय, उसे लगातार 23 आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। एल पासो डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जेम्स मोंटोया के कार्यालय ने पिछले महीने क्रूसियस को मौत की सजा से बचने के लिए दलील पेश की थी। श्री मोंटोया ने उस समय कहा कि उनका व्यक्तिगत रूप से मानना ??है कि क्रूसियस को मृत्युदंड दिया जाना चाहिए, लेकिन मृत्युदंड से मुकदमे में और भी देरी होगी, उन्होंने कहा कि अधिकांश पीड़ित परिवार केवल मामले को बंद करना चाहते हैं। क्रूसियस को दोषी ठहराए जाने के बाद उसके संघीय मुकदमे में 2023 में 90 आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। 2019 का अमेरिका में सबसे घातक गोलीबारी की घटनाओं में से एक है।

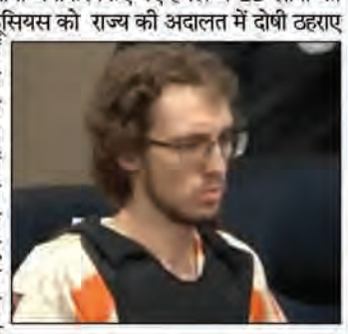

नासा, स्पेसएक्स ने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए पुनः आपूर्ति मिशन शुरू किया

लॉस एंजिल्स। नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) और स्पेसएक्स ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक नया वाणिज्यिक पुनः आपूर्ति सेवा मिशन शुरू किया। स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने दक्षिण-पूर्वी अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से पूर्वी समयानुसार सुबह 4:15 बजे उड़ान भरी। यह पूर्वी समयानुसार सुबह लगभग 8:20 बजे आईएसएस के साथ स्वायत्त रूप से डॉक करने वाला है। यह मिशन परिक्रमा करने वाली प्रयोगशाला में वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करेगा।नासा के अनुसार स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में दृष्टि-आधारित नेविगेशन, अंतरिक्ष यान की वायु गुणवत्ता, दवा और उत्पाद निर्माण के लिए सामग्री और प्रकाश संश्लेषण पर कम निर्भरता के साथ पौधों की वृद्धि को आगे बढ़ाने पर केंद्रित प्रयोग हैं। यह प्रक्षेपण स्पेसएक्स के साथ साझेदारी में किए गए नासा के 32वें वाणिज्यिक पुनः आपूर्ति मिशन को चिह्नित करता है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री यूरोपीय संघ के साथ प्रमुख व्यापार समझौते के करीब

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर यूरोपीय संघ के साथ ब्रिटिश हथियार कंपनियों को यूरोपीय सहयोगियों को अरबों पाउंड के हथियार बेचने की अनुमति देने वाले एक प्रमुख व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। द टाइम्स अखबार की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया कि ब्रिटेन की कंपनियां यूरोपीय संघ के साथ नए संबंध बनाने के स्टारमर के इरादे के तहत 150 अरब यूरो (172.6 अरब डॉलर) के नए यूरोपीय रक्षा कोष के लिए बोली लगाने में भी सक्षम होंगी। रिपोर्ट में कहा गया। इसके अलावा, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री न्यूजीलैंड की कंपनी सियोस एयरोस्पेस द्वारा बनाए गए ड्रोन के लिए 3 करोड़ पाउंड (4 करोड़ डॉलर) के सौदे की घोषणा कर सकते हैं। जिसकी हैम्पशायर में एक फैक्ट्री है।

श्रीलंका में ईस्टर संडे सीरियल बम ब्लास्ट पर राष्ट्रपति आयोग की जांच रिपोर्ट के अध्ययन के लिए समिति गठित

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका की पुलिस ने ईस्टर संडे सीरियल बम ब्लास्ट की जांच के लिए राष्ट्रपति आयोग की अंतिम रिपोर्ट का अध्ययन करने के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह रिपोर्ट लगभग 67,000 पृष्ठों की है। आयोग की अंतिम रिपोर्ट और सभी संबंधित खंड राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के सीधे निर्देशों के तहत 20 अप्रैल को औपचारिक रूप से आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंपे गए थे। राजधानी कोलंबो में 21 अप्रैल, 2019 को किए गए सीरियल बम ब्लास्ट में कम से कम 200 लोग मारे गए थे। डेली मिरर के अनुसार, श्रीलंकाई पुलिस प्रवक्ता और एसएसपी बुद्धिका मनथुंगा ने कहा कि श्रीलंका पुलिस को पूरी रिपोर्ट मिल गई है और इसकी सामग्री की समीक्षा के लिए वरिष्ठ डीआईजी असंका करविता के नेतृत्व में चार

सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। समिति में सीआईडी के डीआईजी, सीआईडी ??के निदेशक और आतंकवादी जांच प्रभाग के निदेशक भी शामिल हैं। एसएसपी मनथुंगा ने कहा कि निष्कर्षों की गहन जांच के लिए कई उप समितियां भी नियुक्त की जाएंगी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नई जांच शुरू की जाएगी। आयोग के निष्कर्षों के आधार पर जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 21 अप्रैल, 2019 को कोलंबो में ईस्टर पर रविवार को श्रीलंका में आठ जगह बम धमाके हुए। इनमें से छह सीरियल ब्लास्ट थे। इन धमाकों में कम से कम 200 लोगों की मौत हुई थी और करीब 400 लोग घायल हुए थे। शुरुआती जांच में इन हमलों के पीछे कट्टरपंथी मुस्लिम संगठन एनटीजे का हाथ माना गया था। सीरियल ब्लास्ट से करीब 10 दिन श्रीलंका के तत्कालीन पुलिस प्रमुख पुजुत जयसुंदरा ने फिदायीन हमले को लेकर चेतावनी दी थी। जयसुंदरा ने 11 अप्रैल को चेतावनी देते हुए एक विदेशी खुफिया एजेंसी के इनपुट के हवाले से कहा था कि नेशनल थोहीथ जमात (एनटीजे) देश के प्रमुख चर्चों और कोलंबो के भारतीय उच्चायोग पर आत्मघाती हमले की साजिश रच रहा है।

दक्षिण कोरिया में चीन के दो नागरिक अमेरिकी सैन्य सुविधा के पास फिल्म बनाते गिरफ्तार

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के ग्योंगगी प्रांत के प्योंगटेक में चीन के दो नागरिकों को एक अमेरिकी सैन्य सुविधा के पास फिल्म बनाते हुए पकड़ा गया। एक महीने पहले भी चीन के दो नागरिकों को ग्योंगगी प्रांत के सुवन में एक एयर बेस के पास विमान की तस्वीरें लेते हुए पाया गया था। द कोरिया हेराल्ड अखबार के अनुसार, प्योंगटेक राजधानी सियोल से लगभग 70 किलोमीटर दक्षिण में है। ग्योंगगी नंबू प्रांतीय पुलिस एजेंसी के सुरक्षा जांच प्रभाग ने कहा कि सैन्य सुविधा संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करने के संदेह में दोनों को हिरासत में लेने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। इन संदिग्धों ने सोमवार सुबह करीब 9 बजे ओसान एयर बेस (इसे के-55 के नाम से भी जाना जाता है) के पास अनधिकृत तस्वीरें लीं। इस्तेमाल किए गए उपकरणों या कैप्चर की गई विशिष्ट सुविधाओं के बारे में विवरण का खुलासा नहीं किया गया। पुलिस ने कहा कि इसके बाद राष्ट्रीय खुफिया सेवा और रक्षा प्रति-खुफिया कमान के सहयोग से जांच की गई। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी चीन के किशोरों को डीएसएलआर कैमरों और स्मार्टफ़ोन का उपयोग करके सुवन एयर बेस के पास उड़ान भरने और उतरने वाले विमानों की तस्वीरें लेते हुए पकड़ा गया था। उन्होंने चार सैन्य सुविधाओं पर हजारों तस्वीरें ली थीं। इनमें प्योंगटेक में अमेरिकी बेस और उत्तरी चुंगचियोंग प्रांत के चेओंगजू में एक एयर बेस शामिल है। इनमें से एक किशोर का पिता चीन के सार्वजनिक सुरक्षा ब्यूरो में अधिकारी है।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम ने मृत्युदंड की सजा को दी चुनौती

एजेंसी

ढाका। जमात-ए-इस्लामी नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम ने मृत्युदंड की सजा के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने 1971 में देश के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए अपनी मृत्युदंड की सजा को चुनौती दी है। मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद की अध्यक्षता वाली अपीलीय खंडपीठ की चार सदस्यीय पीठ ने कहा कि इस न्यायालय की पूर्ण पीठ 6 मई को सुनवाई करेगी। द डेली स्टार अखबार के अनुसार इस्लाम की अपील को आज की वाद सूची में क्रम संख्या 28 के रूप में सुनवाई के लिए शामिल किया गया था। 27 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय ने अजहरुल को मृत्युदंड की सजा को चुनौती देने के लिए उच्चतम न्यायालय के समक्ष नई अपील दायर करने की अनुमति दी थी। अपील की सुनवाई के लिए आज की तारीख तय की थी। सर्वोच्च न्यायालय ने यह आदेश अपने पहले के फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया था। डिवीजन ने भी 31 अक्टूबर, 2019 को अजहरुल की मौत की सजा को बरकरार रखा था। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश सैयद महमूद हुसैन की

अगुवाई वाली चार सदस्यीय पीठ ने बहुमत से फैसला सुनाया था। जमात नेता मोतिउर रहमान निज़ामी, अब्दुल क़ादर मोल्ला, मोहम्मद कमरुज्जमां, अली अहसन मोहम्मद मोजाहिद, मीर कासिम अली और बीएनपी नेता सलाउद्दीन कादर चौधरी को 1971 में मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फांसी दी जा चुकी है। इसमें अजहरुल इस्लाम को मृत्युदंड देने के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखा गया था। अजहरुल के वकील एहसान ए सिद्दीक और मोहम्मद शिशिर मनीर ने अपीलीय डिवीजन से प्रार्थना की थी कि उनके मुवक्किल की अपील पर 22 अप्रैल को सुनवाई की जाए। अपीलीय

भारतीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल दो दिवसीय नेपाल दौरे पर काठमांडू पहुंचे

एजेंसी

काठमांडू। भारत के विद्युत, आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ऊर्जा मंगलवार सुबह काठमांडू पहुंचे। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नेपाल के ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों और काठमांडू में भारतीय दूतावास के प्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। अपने प्रवास के दौरान मंत्री मनोहर लाल भारतीय सहायता से निर्मित ऊर्जा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल 220 केवी कोशी कॉरिडोर ट्रांसमिशन लाइन और तुमलिंगतार, बानेश्वर और बसंतपुर में सबस्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इनरुवा-बसंतपुर-बानेश्वर-टुमलिंग्टर ट्रांसमिशन लाइन और संबंधित सबस्टेशनों का निर्माण दोनों देशों के बीच बिजली व्यापार और ग्रिड स्थिरता को बढ़ाने के लिए भारत सरकार के पूर्ण आर्थिक सहयोग से किया गया है। वह अरुण 3 हाइड्रोपावर परियोजना के पावरहाउस और बांध स्थल का भी दौरा करेंगे, जो पूर्वी नेपाल में निर्माणाधीन भारत से वित्त पोषित जाएंगे। भारतीय मंत्री 23 अप्रैल को मुस्तांग में मुक्तिनाथ के पवित्र तीर्थ स्थल का दौरा करेंगे। वह उसी दिन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और उपप्रधानमंत्री और शहरी विकास मंत्री

एक प्रमुख उद्यम है। इसके अलावा नए सीमा पार संचरण बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए एक संयुक्त कंपनी की स्थापना के लिए एक समझौते के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए प्रकाश मान सिंह से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे। भारत के लिए रवाना होने से पहले शाम को पशुपतिनाथ मंदिर में प्रार्थना करके अपनी यात्रा समाप्त करेंगे।

ट्रंप प्रशासन को 133 अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की कानूनी स्थिति बहाल करने का अदालती आदेश

एजेंसी

वाशिंगटन। संघीय न्यायाधीश विक्टोरिया एम. कैल्वर्ट ने ट्रंप प्रशासन को मंगलवार शाम पांच बजे तक 133 अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की कानूनी स्थिति बहाल करने का आदेश दिया है। इस संबंध में वादियों ने 18 अप्रैल को जॉर्जिया में यू.एस. डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में गुहार लगाते हुए अस्थायी निरोधक आदेश जारी करने का अनुरोध किया था। अगली सुनवाई गुरुवार को होगी। न्यूज के अनुसार इस मुकदमे की सुनवाई कर रहे संघीय न्यायाधीश विक्टोरिया एम. कैल्वर्ट ने विद्यार्थियों के अनुरोध पर टीआरओ (अस्थायी निरोधक आदेश) जारी किया है। वादियों ने दावा किया है कि उनकी वैधानिकता को अवैध रूप से रद्द कर दिया गया है। यह मुकदमा जॉर्जिया के उत्तरी जिले में एसीएलयू और अन्य समूहों ने दायर किया है। इन समूहों का दावा

किया कि आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन ने 'अचानक और अवैध रूप से' छात्र और विनिमय आगंतुक सूचना प्रणाली पर रिकॉर्ड समाप्त कर दिए हैं। यह डेटाबेस रिकॉर्ड है। इसका उपयोग होमलैंड सुरक्षा विभाग गैर-आप्रवासी छात्रों की निगरानी के लिए करता है। मुकदमे में दावा किया गया कि इन अभिलेखों को समाप्त करके आईसीई (आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन) विद्यार्थियों को निर्वासित कर रहा है। यह कदम छात्रों को अपनी पढ़ाई छोड़ने और स्व-निर्वासन करने के लिए मजबूर करने के लिए उठाया गया है। कई वादियों पर यातायात उल्लंघन का मामूली आरोप भी लगाया गया। हालांकि बाद में यह आरोप हटा दिए गए।इस मुकदमे की सुनवाई के दौरान सरकारी वकीलों ने तर्क दिया कि छात्रों को कोई भी राहत देने से कार्यकारी शाखा का 'आव्रजन पर नियंत्रण' प्रभावित होगा। इस तर्क से असहमत न्यायाधीश ने प्रशासन को आदेश दिया कि वह अनुपालन के बारे में अदालत को सूचित करे। कैल्वर्ट ने सरकार को यह भी आदेश दिया कि वह मुकदमे के अलावा किसी भी कारण से वादी की पहचान का उपयोग न करे।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बस खाई में गिरी, 16 की मौत, 24 घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक बस के खाई में गिर जाने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। हादसे में लगभग 24 लोग घायल हो गए। सिंध प्रांत के पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह हादसा जमशोरो जिले में बोला खान पुलिस स्टेशन के पास हुआ। द न्यूज इंटरनेशनल अखबार की वेबसाइट पर आज सुबह जारी खबर में उपायुक्त गजनफर कादरी के हवाले से कहा गया है कि यह बस भील समुदाय के श्रमिकों को ले जा रही थी। यह लोग बलूचिस्तान में गेहूं की कटाई का काम पूरा करने के बाद घर लौट रहे थे। इस हादसे में 16 लोगों की जान चली गई और दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस ने पुष्टि की है कि दुर्घटना स्थल से कम से कम 12 शव बरामद किए गए हैं। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि चार घायलों ने जामशोरो के लियाकत यूनिवर्सिटी अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या 16 हो गई। बचाव दल ने

बताया कि घायलों में से पांच को हैदराबाद के सिविल अस्पताल ले जाया गया। मृतकों में चार बच्चे भी शामिल हैं। बचाव अधिकारी ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है। उपायुक्त कादरी ने बताया कि घायलों में से पांच को बोला खान के तालुका अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

पूर्व सीनेटर बॉब मेनेंडेज की पत्नी नादिन मेनेंडेज भी संघीय रिश्वतखोरी की दोषी

एजेंसी

वाशिंगटन। न्यू जर्सी के पूर्व सीनेटर बॉब मेनेंडेज की पत्नी नादिन मेनेंडेज भी संघीय रिश्वतखोरी की दोषी पाई गई हैं। जूरी ने उनके पति की तरह उन्हें भी इसी तरह के अपराधों में दोषी ठहराया है। संघीय वकीलों ने तर्क दिया कि दोनों अपराध में भागीदार रहे हैं। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने राजनीतिक उपकार करने के बदले नकदी, सोने की छड़ें और एक लक्जरी कार स्वीकार की। न्यूज की खबर के अनुसार, सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि नादिन मेनेंडेज अपने पति की योजना में शामिल थीं। जूरी ने शुक्रवार दोपहर को विचार-विमर्श शुरू किया और सोमवार दोपहर अपना फैसला सुनाया। नादिन मेनेंडेज को जून में सजा सुनाई जाएगी। जून में ही उनके पति बॉब को 11 साल की सजा काटने के लिए जेल जाना होगा। नादिन मेनेंडेज ने रिश्वतखोरी की साजिश, ईमानदार

सेवाओं के लिए धोखाधड़ी की साजिश और आधिकारिक अधिकार के नाम पर जबरन वसूली की साजिश समेत 15 आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। इनमें से कई आरोपों में अधिकतम 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। बॉब मेनेंडेज को पिछले साल संघीय भ्रष्टाचार के मुकदमे में सभी 16 मामलों में दोषी पाए जाने के बाद जनवरी में 11 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। इसी के साथ वह विदेशी एजेंट के रूप में काम करने के लिए दोषी पाए जाने वाले कांग्रेस के पहले मौजूदा सदस्य बन गए। जूरी ने उन्हें न्यू जर्सी के तीन व्यवसायियों से सैकड़ों हजार डॉलर की रिश्वत लेने का दोषी पाया। इसमें सोना, नकदी, मर्सिडीज-बेंज कन्वर्टिबल कार, नादिन मेनेंडेज के घर के लिए भुगतान और अन्य आरोपों में दोषी ठहराया गया है इस फैसले के बाद कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी मैथ्यू पोडोल्स्की ने बयान में कहा कि नादिन मेनेंडेज और सीनेटर मेनेंडेज अपराध में बराबर के भागीदार थे। पांच वर्षों की अवधि में नादिन मेनेंडेज ने सभी प्रकार की रिश्वत स्वीकार की। संघीय अभियोजकों के अनुसार, 2018 में नादिन मेनेंडेज ने मिस्र के खुफिया और सैन्य अधिकारियों को तत्कालीन सीनेटर बॉब मेनेंडेज से मिलवाया था। उन्होंने मिस्र को लाभ पहुंचाने के लिए अपने पति के कार्यों के बदले में रिश्वत स्वीकार की।

अमेरिका में फिलिस्तीन समर्थक खलील की पत्नी ने पहले बच्चे को जन्म दिया, नहीं मिली मिलने की इजाजत

एजेंसी

वाशिंगटन। फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी महमूद खलील की पत्नी डॉ. नूर अब्दुल्ला ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है। खलील इस समय आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत में है। महमूद खलील ने अपने बेटे से मिलने के लिए न्यू ऑरलियन्स आईसीई ईआरओ फील्ड ऑफिस डायरेक्टर मेलिसा बी हार्पर से अस्थायी रिहाई का अनुरोध किया। उसके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया। एबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, महमूद खलील इस समय लुइसियाना के जेना में एक हिरासत केंद्र में बंद है। खलील के वकीलों ने ई-मेल के माध्यम से दो सप्ताह की रिहाई का अनुरोध किया था। वकीलों ने यह भी कहा था कि खलील को रिहाई अवधि में निगरानी में रखा जा सकता है। हार्पर ने अनुरोध को अस्वीकार करते हुए ई-मेल में लिखा, अनुरोध पर विचार करने और मुवक्किल के मामले की समीक्षा के बाद रिहाई के अनुरोध को अस्वीकार किया जाता है। डॉ. नूर अब्दुल्ला ने बेटे को

जन्म के बाद एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया, मेरे बेटे और मुझे महमूद के बिना धरती पर अपने पहले दिन नहीं गुजारने चाहिए। आईसीई (अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन) और ट्रंप प्रशासन ने फिलिस्तीनी स्वतंत्रता के लिए महमूद के समर्थन को चुप कराने के प्रयास में हमारे परिवार से ये अनमोल पल चुरा लिए हैं। उल्लेखनीय है कि कोलंबिया विश्वविद्यालय में छात्र के रूप में महमूद खलील ने गाजा में युद्ध का विरोध करने वाले एक समूह का हिस्सा रहे हैं। खलील ने दिसंबर में कोलंबिया में अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की है। उन्हें मार्च में कोलंबिया में उनके आवास से आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन ने गिरफ्तार किया था।

नाइजीरिया में संदिग्ध चरवाहों के हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72 हुयी

अबुजा। नाइजीरिया के केंद्रीय राज्य बेन्यू में संदिग्ध सशस्त्र चरवाहों द्वारा हाल ही में किए गए हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 72 हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य के उकुम स्थानीय सरकारी क्षेत्र में रात के बीच समुदायों में घातक हमले हुए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि हमलों के दौरान कम से कम 56 लोग मारे गए। सरकार के प्रवक्ता इसहाक उज़ान ने

मीडिया को बताया कि और पीड़ितों की पुष्टि हुई, क्योंकि स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों और स्वयंसेवकों ने आस-पास की झाड़ियों की तलाशी जारी रखी।बेन्यू के गवर्नर हयासिंथ आलिया ने पहले राज्य में स्थानीय समुदायों को परेशान करने वाले भयानक हमलों को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया था। नाइजीरिया में हाल के महीनों में सशस्त्र समूहों द्वारा कई हमले हुए हैं। देश में पशुधन की चोरी और सशस्त्र डाकुओं की घटनाएं भी बार-बार होती रही हैं।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया

वाशिंगटन। दुनिया के प्रमुख प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ संघीय न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। हार्वर्ड की गिनती दुनिया के सबसे धनी विश्वविद्यालयों में होती है। यह मुकदमा उच्च शिक्षा और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच चल रही लड़ाई के एक बड़े विस्तार का संकेत देता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के सभी प्रमुख अखबारों में आज इस मुकदमे की चर्चा है। न्यूयॉर्क टाइम्स व अन्य समाचार पत्रों के अलावा हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के अखबार द हार्वर्ड क्रिमसन ने इस मुकदमे की विस्तार से जानकारी दी है। द हार्वर्ड क्रिमसन के अनुसार, हार्वर्ड ने 2.2 बिलियन डॉलर के फंडिंग फ्रीज को लेकर ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। साथ ही व्हाइट हाउस पर हार्वर्ड को उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए दंडित करने के लिए मनमाना और असंवैधानिक अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने मुकदमा दायर करने से एक दिन पहले हार्वर्ड से संघीय अनुदान और अनुबंधों में एक और एक बिलियन डॉलर की कटौती करने की घोषणा की। यह पिछले सप्ताह घोषित 2.2 बिलियन डॉलर की मौजूदा कटौती के अतिरिक्त है। संयुक्त राज्य अमेरिका की जिला अदालत में दायर की गई 51 पृष्ठ की शिकायत में 2.2 बिलियन डॉलर की रकम को फ्रीज करने से रोकने और फैसले को गैरकानूनी घोषित करने की मांग की गई

है। शिकायत में कहा गया है, %%हम इस सच्चाई के लिए खड़े हैं कि देश भर के कॉलेज और विश्वविद्यालय अपने कानूनी दायित्वों को स्वीकार कर सकते हैं और उनका सम्मान कर सकते हैं और अनुचित सरकारी हस्तक्षेप के बिना समाज में अपनी आवश्यक भूमिका को सर्वोत्तम तरीके से पूरा कर सकते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एलन एम. गार्बर 76 ने सोमवार दोपहर अपने सहयोगियों को एक संदेश में इस मुकदमे की जानकारी दी। विश्वविद्यालय ने संघीय एजेंसियों पर नागरिक अधिकार अधिनियम के शीर्षक छह के तहत कानूनी रूप से आवश्यक प्रक्रियाओं को दरकिनार करने का भी आरोप लगाया है। गार्बर का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन ने कैंपस में यहूदी विरोधी भावना की चिंताओं को बहाने यह सब किया है। किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई करने से पहले कानून का पालन जरूरी है। गार्बर ने अपने संदेश में यहूदी विरोधी भावना और इस्लामोफोबिया से निपटने पर दो राष्ट्रपति कार्य बलों की लंबे समय से प्रतीक्षित अंतिम रिपोर्ट जल्द जारी करने का भी वादा किया है। अदालत में हार्वर्ड का प्रतिनिधित्व रॉबर्ट के. हूर 95 और विलियम ए. बर्क करेंगे। दोनों ही वकील राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से गहरे संबंध रखते हैं। हूर को ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस में नियुक्त किया था। बर्क ने ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के लिए वकील के रूप में काम किया है। मुकदमे के अनुसार, रोप्स एंड ग्रे और लेहटोस्की केलर कोहन लॉ फर्म से जुड़े वकील भी हार्वर्ड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

शुभमन-अभिषेक जब बल्लेबाजी करते हैं तो मैं घबरा जाता हूं : युवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने पंजाब के युवा बल्लेबाजों शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा के प्रति अपनी खास भावनाएं जाहिर कीं। पंजाब से ताल्लुक रखने वाले ये दोनों खिलाड़ी युवराज के करीबी हैं, जिन्हें उन्होंने अपने मार्गदर्शन में तैयार किया है। दोनों खिलाड़ी अक्सर अपने करियर में युवराज के योगदान की सराहना करते हैं। हाल ही में अपनी मां शबनम सिंह के साथ एक साक्षात्कार में युवराज ने खुलासा किया कि जब शुभमन और अभिषेक बल्लेबाजी करते हैं, तो वह घबरा जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब अभिषेक और शुभमन बल्लेबाजी करते हैं, तो मैं नर्वस हो जाता हूं। युवराज की मां शबनम सिंह ने बताया कि 43 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर एक मेंटर के रूप में काफी सख्त हैं, जिसके चलते कई क्रिकेटर उनसे डरते हैं। उन्होंने कहा कि शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ी युवी से डरते हैं। मैच के बाद जब युवी उन्हें फोन करके पूछते हैं, %तुमने वो कौन सा शॉट खेला? तो वे घबरा जाते हैं।÷ शबनम ने यह भी बताया कि युवराज हमेशा खिलाड़ियों की तकनीकी खामियों को सुधारने के लिए उनकी मदद करते हैं और उनकी प्रगति की प्रशंसा भी करते हैं। युवराज ने हमेशा युवा क्रिकेटरों का समर्थन किया है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके प्रदर्शन की तारीफ की है। वह शुभमन और अभिषेक जैसे खिलाड़ियों को तकनीकी सलाह देकर उनकी मदद करते रहते हैं।

डॉ. फारूक का युवाओं से खेल और शिक्षा को अपनाने तथा नशीली दवाओं के बढ़ते खतरे से दूर रहने का आग्रह

जम्मू। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने आज जम्मू के एमएएम स्टेडियम में शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। यह टूर्नामेंट 'नशे को नकारें' थीम के तहत आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक और स्वस्थ गतिविधियों की ओर मोड़ना है। जम्मू-कश्मीर यूथ नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष तेजिंदर पाल सिंह द्वारा आयोजित यह क्रिकेट टूर्नामेंट क्षेत्र के युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। आज के उद्घाटन मैच में माजिद 313 ने त्रिकुटा क्रिकेट क्लब के साथ 20 ओवरों का रोमांचक मुकाबला खेला जो एक सप्ताह तक चलने वाले टूर्नामेंट की शुरुआत थी जिसका समापन 26 अप्रैल को होगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन करते हुए डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने खिलाड़ियों से बातचीत की और खेल के प्रति उनके उत्साह और भावना की सराहना की। उन्होंने युवा प्रतिभागियों को खेल और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने और युवा पीढ़ी को तेजी से प्रभावित करने वाले नशे की लत से बचने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. अब्दुल्ला ने नशा विरोधी अभियान के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए तेजिंदर पाल सिंह अमन के प्रयासों की भी सराहना की।

उन्हें खुद को आईने में देखना होगा: रोहित पर स्टीव वॉ की तीखी टिप्पणी

मैड्रिड । ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ का मानना है कि आलोचनाओं का सामना कर रहे रोहित शर्मा अगर भारतीय क्रिकेट की सेवा करना जारी रखना चाहते हैं तो उन्हें आत्ममुग्ध नहीं होना चाहिए और आराम नहीं करना चाहिए। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले कप्तानी पर फैसला लेना भी शामिल है। रोहित के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच वॉ ने कहा कि भारत की कप्तानी का फैसला रोहित को खुद करना चाहिए। भारत जून में इंग्लैंड के साथ श्रृंखला की शुरुआत के साथ 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करेगा। वॉ ने कहा कि यह पूरी तरह से उन पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि वह अकेले ही इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। उन्हें खुद को आईने में देखना होगा और कहना होगा कि क्या मैं अब भी कप्तान बनना चाहता हूं या भारत के लिए खेलना चाहता हूं? क्या मैं प्रतिबद्ध हूं? क्या मैं इसके लिए पर्याप्त समय और प्रयास कर रहा हूं? अपने देश के लिए खेलना एक सौभाग्य और सम्मान की बात है।

दो जीत हासिल कर हुआ शुभमन का दिल गार्डन-गार्डन, बोले- आज बहुत खुश हूं

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स को इंडियन प्रीमियर लीग में एकतरफा मुकाबले में 39 रन से हराने के बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि आज मैं बहुत खुश हूं। हमने इन दो मैचों के बारे में बात की थी। हमने तय करना था कि हम तालिका में कहां खड़े हैं। लगातार दो जीत हासिल करके बहुत खुश हूं। हम जब भी मैदान पर उतरते हैं तो अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते हैं। जीत के मंत्र पर बात करते हुए शुभमन ने कहा कि हम कभी इस बारे में बात नहीं करते कि हममें से किसी एक को अंत तक टिके रहना है। हम सिर्फ इस बारे में बात करते हैं कि हम इन परिस्थितियों में कैसे रन बना सकते हैं और खेल को कैसे आगे ले जा सकते हैं। हम खेल में आगे थे, लेकिन आगे रहना एक बात है और खेल को खत्म करना दूसरी बात है। वहीं, वेंकी अय्यर के विकेट के बाद उत्साहित जश्न पर बोलते हुए शुभमन ने कहा कि ये मेरी कुछ भावनाएं थीं जो बाहर आ रही थीं। इस प्रारूप में एक आदर्श खेल होना मुश्किल है। हमेशा कुछ क्षेत्र होंगे। अगर मैं वहां रहता तो हम 10 रन और बना सकते थे।

लॉरियस अवॉर्ड्स 2025 : वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए डुप्लांटिस और सिमोन बाइल्स

एजेंसी

नई दिल्ली। मैड्रिड में आयोजित हुए 2025 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स में खेल जगत की कई बड़ी हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में स्वीडन के पोल वॉल्ट खिलाड़ी आर्मंड डुप्लांटिस और अमेरिका की दिग्गज जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स ने क्रमशः वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरूष और महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। डबल ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्डधारी आर्मंड डुप्लांटिस को साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया। 25 वर्षीय डुप्लांटिस ने टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच, फॉर्मूला वन विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टापेन और फ्रांस के तैराक लियोन मार्चांद को पीछे छोड़ते हुए यह सम्मान हासिल किया। एथलेटिक्स में यह पुरस्कार पाने वाले वह यूसेन बोल्ट के बाद दूसरे खिलाड़ी बने। अमेरिका की प्रसिद्ध

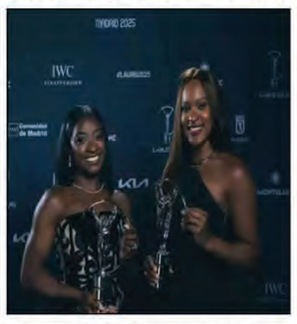

जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बाइल्स ने पेरिस ओलंपिक में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर यह उपलब्धि प्राप्त की। बाइल्स ने यह पुरस्कार चौथी बार जीतकर सेरेना विलियम्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उन्होंने कहा, 2017 में मैंने यह पुरस्कार पहली बार जीता था और तब से लॉरियस मेरी कहानी का हिस्सा रहा है। हो सकता है, कोई छोटी बच्ची मुझे टीवी पर देखकर यह सोच ले कि वह भी यह कर सकती है।

राफेल नडाल को मिला खेल आइकन सम्मान

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल को उनके शानदार करियर के लिए खेल आइकन सम्मान से नवाजा गया। नडाल ने पिछले वर्ष नवंबर में 38 वर्ष की उम्र में टेनिस से संन्यास लिया था। मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह ने लॉरियस अवॉर्ड्स की 25वीं वर्षगांठ को बेहद खास बना दिया। दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों को एक मंच पर देखना खेल प्रेमियों के लिए भी अविस्मरणीय अनुभव रहा।

अन्य पुरस्कार विजेता

साल की सर्वश्रेष्ठ टीम : रियल मैड्रिड (15वीं बार चैंपियंस लीग और ला लीगा खिताब जीतने पर)

साल का सर्वश्रेष्ठ उभरता खिलाड़ी : लामिन यमाल (17 वर्ष की उम्र में स्पेन को यूरो 2024 जिताने वाले खिलाड़ी)

साल की शानदार वापसी : रेबेका आंद्राडे (पेरिस ओलंपिक में फ्लोर इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने पर)

विकलांग वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी : जियांग युयेन

सर्वश्रेष्ठ एक्शन खेल खिलाड़ी : टॉम पिडकॉक

खेल के माध्यम से समाज सेवा सम्मान : किक फॉर लाइफ

लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड : केली स्लेटर (सर्फिंग में शानदार करियर के लिए)

आईपीएल 2025 : संजू सैमसन आरसीबी के खिलाफ मैच से बाहर, रियान पराग संभालेंगे कमान

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान संजू सैमसन चोट के चलते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे।

राजस्थान फ्रेंचाइज़ी ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की। राजस्थान रॉयल्स ने बयान जारी कर बताया, संजू सैमसन फिलहाल रिकवरी प्रोसेस से गुजर रहे हैं और टीम के मेडिकल स्टाफ के साथ होम बेस पर ही रहेंगे। वह बैंगलोर नहीं जाएंगे। बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान संजू को पेट के हिस्से में हल्का दर्द महसूस हुआ था, जिसके बाद उनका स्कैन कराया गया। इसके चलते वह लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछला मुकाबला भी नहीं खेल पाए थे। संजू सैमसन की गैरमौजूदगी में रियान पराग एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगे।

सीजन के शुरुआती तीन मुकाबलों में भी जब संजू सैमसन विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे (दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली में फ्रैक्चर और सर्जरी के चलते), तब रियान ने ही कप्तानी की जिम्मेदारी निभाई थी। आईपीएल 2025 में संजू सैमसन ने अब तक 7 मुकाबलों में 224 रन बनाए हैं। उनका औसत 37.33 का रहा है और स्ट्राइक रेट 140 से ज्यादा का है। इस दौरान वह एक अर्धशतक भी लगा चुके हैं। उनकी फॉर्म टीम के लिए अहम रही है, लेकिन अब चोट के चलते उनके बाहर होने से टीम को बड़ा नुकसान हो सकता है।

केकेआर की बल्लेबाज़ी पर अजिंक्य रहाणे बरसे, ब्रावो बोले- 'खिलाड़ियों ने खो दिया है आत्मविश्वास'

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रहीं। गुजरात टाइटंस (जीटी) के हाथों मिली हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम की बल्लेबाज़ी पर सवाल उठाए। रहाणे ने कहा कि गेंदबाज़ अच्छा कर रहे हैं, लेकिन लगातार नाकाम हो रही बल्लेबाज़ी हार की वजह है। वहीं टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने भी माना कि खिलाड़ी आत्मविश्वास खो चुके हैं।

रहाणे ने बल्लेबाज़ों को ठहराया हार का ज़िम्मेदार

मैच के बाद रहाणे ने कहा, 'मुझे गेंदबाज़ों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन हमारी बल्लेबाज़ी इस पूरे टूर्नामेंट में जूझती नज़र आई है। 199 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, लेकिन एक अच्छी शुरुआत की ज़रूरत थी, जो हम नहीं दे सके।

उन्होंने आगे कहा, जब आप बड़ा स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो सलामी बल्लेबाज़ों की साझेदारी अहम होती है। यही वह क्षेत्र है, जिसमें हम पिछड़ रहे हैं। हमारी शुरुआत लगातार खराब रही है और इसका असर नतीजों पर पड़ा है।

ब्रावो ने कहा- बल्लेबाज़

खो चुके हैं आत्मविश्वास

टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, सच्चाई यही है कि हमारी टीम ठीक से बल्लेबाज़ी नहीं कर रही है। सिर्फ आंद्रे रसेल ही नहीं, कई खिलाड़ी खराब फॉर्म में हैं। आईपीएल ऐसा टूर्नामेंट है, जहां अगर शुरुआत खराब हो जाए, तो खिलाड़ी आत्मविश्वास खो देते हैं। यही इस समय हमारे साथ हो रहा है। ब्रावो ने ये भी कहा कि रसेल को हर बार 14-15 रन प्रति ओवर की दर से बल्लेबाज़ी करनी पड़ रही है। ÷काम सलामी बल्लेबाज़ों और ऊपरी क्रम के बल्लेबाज़ों को करना है ताकि रसेल मैच समाप्त कर सकें। हम दाएं-बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों का संयोजन बनाकर खेलना चाहते थे, इसी वजह से अंगकृष रघुवंशी को नीचे भेजा गया। लेकिन जब खिलाड़ी लय में ना हों, तो योजनाएं भी बेअसर हो जाती हैं। केकेआर के लिए सलामी जोड़ी सबसे बड़ी परेशानी रही है। इस सत्र में टीम की सलामी साझेदारी का औसत महज़ 19.00 रहा है।

राजौरी में अंतर क्षेत्रीय एवं अंतरराज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित

एजेंसी

राजौरी। पहाड़ी क्षेत्र के लोगों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों की श्रृंखला में राजौरी के बागनसाल में अंतर क्षेत्रीय एवं अंतरराज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य पहलवानों को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

इस आयोजन में 69 पहलवानों ने भाग लिया। सैन्य कर्मियों के अलावा पूर्व सरपंच और स्थानीय लोगों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस दौरान मौजूद थे। दर्शकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके उत्साह, समर्थन और खेल भावना ने प्रतियोगिता के उत्साह और ऊर्जा को और बढ़ा दिया। समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कार और पदक वितरित किए गए। मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों ने विजेताओं को बधाई दी और प्रतिभागियों की उनके कौशल और खेल भावना के प्रदर्शन की प्रशंसा की। यह उन पहलों की श्रृंखला का हिस्सा है जिसके माध्यम से भारतीय सेना युवाओं को सकारात्मक रूप से जोड़ने के लिए आगे आ रही है और युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में अपनी ऊर्जा को रचनात्मक तरीके से लगाने के लिए प्रोत्साहित करके एक सकारात्मक दृष्टिकोण बना रही है।

सैन्य कर्मियों के अलावा पूर्व सरपंच और स्थानीय लोगों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस दौरान मौजूद थे। दर्शकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग: तेलुगु पैंथर्स, मराठी वल्चर्स और भोजपुरी लेपर्ड्स ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

गुरुग्राम। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में खेले गए महिलाओं के मुकाबलों में भोजपुरी लेपर्डेस और तमिल लायनेस ने दमदार जीत दर्ज की। वहीं तेलुगु चीता और पंजाबी टाइग्रेस के बीच का मैच बेहद रोमांचक रहा और 38-38 की बराबरी पर खत्म हुआ।

ये मुकाबले गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के मल्टीपर्पज हॉल में खेले गए। जीआई-पीकेएल की शुरुआत शुक्रवार को हुई थी और यह लीग 13 दिनों तक चलेगी, जिसका फाइनल 30 अप्रैल को खेला जाएगा। पहले मुकाबले में भोजपुरी लेपर्डेस ने हरियाणवी ईगल्स को 37-26 से हराया। लेपर्डेस ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। टीम ने 19 रेड

प्वाइंट्स, 13 टैकल प्वाइंट्स और 4 ऑल-आउट के साथ 11 अंकों की शानदार जीत दर्ज की। हरियाणवी ईगल्स 17 रेड और 6 टैकल प्वाइंट्स ही जुटा सकी। भोजपुरी टीम की ओर से सिंधुजा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 8 में से 6 रेड सफलतापूर्वक कीं और कुल 7 रेड प्वाइंट्स (4 टच + 3 बोनस) हासिल किए। दूसरे मुकाबले में तमिल लायनेस ने मराठी फाल्कन्स को एकतरफा अंदाज़ में 44-23 से पराजित किया। तमिल टीम ने 24 रेड प्वाइंट्स जुटाए और तीन बार ऑल-आउट कर बढ़त को और मजबूत किया।

मराठी फाल्कन्स का डिफेंस कमजोर साबित हुआ, और वे वापसी नहीं कर सकीं। तमिल लायनेस की कप्तान रचना विलास ने मैच का रुख तय कर दिया। उन्होंने 12 में से 11 रेड में सफलता पाई और कुल 15 रेड प्वाइंट्स (जिसमें एक सुपर रेड भी शामिल है) और 1 टैकल प्वाइंट के साथ 16 अंकों का शानदार योगदान दिया।

'वह स्पिन के बेहतरीन खिलाड़ी हैं : साई किशोर केकेआर पर जीत के बाद शुभमन गिल की तारीफ की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 1 अक्टूबर 2024 से 30 सितंबर 2025 तक के लिए अपने वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध की घोषणा कर दी है। शीर्ष श्रेणी ए-प्लस (A+) में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जबकि कुछ नए चेहरों को भी इस सूची में शामिल किया गया है। अनुभवी ऑफ स्पिन गेंदबाज़ रविचंद्रन अश्विन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण बाहर कर दिया गया है।

ए-प्लस ग्रेड में वही चार दिग्गज

बीसीसीआई ने ए-प्लस (A+) श्रेणी में एक बार फिर कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को बरकरार रखा है। इस श्रेणी में खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रुपये का मानदेय मिलेगा।

श्रेयस अय्यर की वापसी, ईशान किशन सी ग्रेड में

पिछले साल घरेलू क्रिकेट न खेलने के कारण अनुबंध सूची से बाहर हुए श्रेयस अय्यर की इस बार बी (B) श्रेणी में वापसी हुई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विराम लेकर रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलने वाले ईशान किशन को सी (C) श्रेणी में रखा गया है। चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्पिन गेंदबाज़ वरुण चक्रवर्ती को पहली बार बीसीसीआई के अनुबंध में जगह मिली है। वहीं, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले रविचंद्रन अश्विन का नाम इस सूची में नहीं है।

आईएसएसएफ विश्व कप में सिमरनप्रीत कौर ने जीता रजत पदक

एजेंसी

लीमा। सिमरनप्रीत कौर बरार ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप के अंतिम दिन महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर अपने सीनियर अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला पदक अपने नाम किया। यह मुकाबला पेरू की राजधानी लीमा के लास पाल्मस शूटिंग रेंज में हुआ। भारतीय निशानेबाज़ सिमरनप्रीत ने फाइनल के 10 रैपिड-फायर शॉट्स की श्रृंखला में कुल 33 सटीक निशाने लगाए। वह चीन की सन यूजिए से सिर्फ एक अंक पीछे रहीं, जिन्होंने लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। सन की हमवतन याओ कियानशुन ने 29 अंक लेकर कांस्य पदक पर कब्ज़ा किया।

इससे पहले दिन में, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, मिश्रित टीम पिस्टल विश्व विजेता एशा सिंह और सिमरनप्रीत – तीनों भारतीय निशानेबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। क्वालिफाइंग में मनु भाकर ने 585 अंकों के साथ दूसरा,

सिमरनप्रीत ने 580 अंकों के साथ पांचवां और एशा सिंह ने 575 अंकों के साथ आठवां स्थान हासिल किया। एशा इससे पहले अर्जेंटीना विश्व कप में इस स्पर्धा में रजत पदक जीत चुकी हैं। तीन चीनी निशानेबाज़ों ने भी फाइनल में जगह बनाई, इसके अलावा जर्मनी की डोरीन वेनकैंप और कई बार की महाद्वीपीय चैम्पियन एंड्रिया पेरेज पेना भी अंतिम दौर में पहुँचीं। फाइनल मुकाबले की पहली श्रृंखला में चीनी खिलाड़ियों ने 1-2-3 पोजिशन पर कब्ज़ा कर लिया, जबकि भारतीय निशानेबाज़ दूसरी श्रृंखला से लय में आती नज़र आई। सिमरनप्रीत ने दूसरी श्रृंखला में 4 अंक, एशा ने तीसरी श्रृंखला में 5 अंक बनाए।

छठी श्रृंखला के बाद मनु और सिमरनप्रीत ने 5-5 अंक अर्जित किए, जबकि एशा ने 4 अंक बनाए। इसके बाद मनु, एशा और डोरीन के बीच पहला शूट-ऑफ हुआ, जिसमें एशा बाहर हो गईं। अगले शूट-ऑफ में मनु ने डोरीन को हराकर उन्हें पांचवें स्थान पर धकेल दिया। इस समय तक सिमरनप्रीत 23 अंकों के साथ सन (25 अंक) और याओ (22 अंक) के बीच आ चुकी थीं।

अगली श्रृंखला में मनु की किस्मत ने उनका साथ छोड़ दिया और मुकाबले के अंत तक शीर्ष तीन खिलाड़ियों के बीच एक-एक अंक का फासला कायम रहा। यह भारत का इस प्रतियोगिता में चौथा रजत पदक था। इसके अलावा भारत को अब तक दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक भी मिल चुका है।

पोप फ्रांसिस के निधन के बाद सीरी ए के मुकाबले स्थगित

नई दिल्ली। कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन के बाद इटली की शीर्ष फुटबॉल लीग सीरी ए ने होने वाले सभी मुकाबलों को स्थगित कर दिया है। वेटिकन ने वीडियो बयान जारी कर उनके निधन की पुष्टि की। 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस लंबे समय से बीमार चल रहे थे और हाल ही में उन्हें डबल न्यूमोनिया की गंभीर समस्या भी हुई थी। पोप फ्रांसिस न सिर्फ दुनिया भर के कैथोलिक समुदाय के आध्यात्मिक प्रमुख थे, बल्कि फुटबॉल के भी बड़े प्रशंसक माने जाते थे। अर्जेंटीना में जन्मे पोप फ्रांसिस जीवनभर फुटबॉल से जुड़े रहे।लीग ने बयान जारी कर कहा, पोप फ्रांसिस के निधन के बाद आज (सोमवार) होने वाले सभी सीरी ए और प्राइमा वेरा 1 के मैच स्थगित किए जाते हैं। स्थगित मैचों की नई तारीखों का ऐलान जल्द किया जाएगा।

राजौरी में स्थानीय युवाओं के लिए वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

एजेंसी

राजौरी। युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने और स्वस्थ, सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास में भारतीय सेना ने समोटे में केसरी हिल पर स्थानीय युवाओं के लिए चार दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र के युवा लड़कों को खेलों में भाग लेने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक गतिविधियों में लगाने के लिए प्रेरित करना था। टूर्नामेंट में आस-पास के गांवों के युवाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों ने हाई वोल्टेज मैचों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन को स्थानीय समुदाय से भरपूर समर्थन मिला।

सभी प्रतिभागी टीमों को उनके उत्साही प्रदर्शन के लिए सराहा गया और खिलाड़ियों को इस आयोजन को सफल बनाने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में कुल 127 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया जिससे यह एक यादगार और सफल आयोजन बन गया। इस तरह की सकारात्मक भागीदारी युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाती है, प्रतिस्पर्धी कौशल को बढ़ावा देती है और उन्हें राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक तत्वों के जाल में फंसने से रोकती है। क्षेत्र के युवाओं और

स्थानीय लोगों ने केसरी हिल पर युवाओं के लिए वॉलीबॉल मैच आयोजित करने और प्रभावी युवा सहभागिता की दिशा में इस नेक पहल के लिए भारतीय सेना के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

विस्डन वार्षिक स्मारिका में भारत का जलवा,जसप्रीत बुमराह बने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को प्रतिष्ठित विस्डन क्रिकेटर्स अल्मनैक 2025 में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर घोषित किया गया है। वहीं महिला क्रिकेट में स्मृति मंधाना ने भी इतिहास रचते हुए वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर का सम्मान हासिल किया। इस बार इन सम्मानों में भारतीय क्रिकेट का शानदार दबदबा रहा।

बुमराह ने रचा अनोखा कीर्तिमान, बने 'वर्ष के सितारे'

साल 2024 में जसप्रीत बुमराह ने अपनी धारदार गेंदबाज़ी से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 200 विकेट 20 से कम की औसत से लेने वाले पहले गेंदबाज़ बनकर नया इतिहास रच दिया। विस्डन के संपादक लॉरेंस बूथ ने उन्हें वर्ष का सबसे बड़ा सितारा बताते हुए कहा कि बुमराह इतने खतरनाक और अनूठे गेंदबाज़ रहे कि उनके खिलाफ बनाए गए रन दोगुने माने जाने चाहिए थे। बुमराह ने इस दौरान 71 टेस्ट विकेट 15 की औसत से चटकाए और टी20 विश्व कप 2024 में भारत को चैंपियन भी बनाया।

स्मृति मंधाना का ऐतिहासिक प्रदर्शन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज़्यादा 1659 रन बनाए। इस

दौरान उन्होंने 4 एकदिवसीय शतक जड़े, जो किसी भी महिला क्रिकेटर के लिए एक वर्ष में नया कीर्तिमान है। इसके अलावा उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में 149 रनों की शानदार पारी खेलते हुए भारत को 10 विकेट से जीत दिलाई।

निकोलस पूरन बने विश्व के सर्वश्रेष्ठ टी20 खिलाड़ी

वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज़ निकोलस पूरन को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर घोषित किया गया।

'पांच क्रिकेटर ऑफ द ईयर' में सर्रे का दबदबा

इस बार विस्डन के 'वर्ष के पाँच क्रिकेटर' में सर्रे काउंटी के तीन खिलाड़ियों – गस एटकिन्सन, जेमी स्मिथ और डैन वॉरल – को शामिल किया गया। इनके अलावा हैम्पशायर के लियाम डॉसन और इंग्लैंड महिला टीम की सोफी एक्लेस्टोन को भी इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाज़ा गया।

न्यूज़ीलैंड के मिचेल सैंटनर को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सम्मान

भारत के खिलाफ पुणे टेस्ट में मिचेल सैंटनर की 13 विकेट की धमाकेदार गेंदबाज़ी ने न्यूज़ीलैंड को 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई और भारत की 2012 के बाद पहली घरेलू टेस्ट श्रृंखला हार का कारण बनी। इसके लिए सैंटनर को विस्डन ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

छोड़कर मत जाओ हमें...खंडहर में पड़ी बच्ची को बचाया, अब

दिशा पाटनी

की बहन हो गई इमोशनल

इन दिनों दिशा पाटनी की बहन खुशबू पाटनी की हर तरफ काफी तारीफ हो रही है. उन्हें बरेली में अपने घर के पास एक लावारिस बच्ची मिली थी. खुशबू ने उस बच्ची की जान बचाई. उसे अपने घर ले गईं और अब उसे उसके घरवालों से मिलवा दिया है. खुशबू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए बच्ची के मिलने के बारे में जानकारी दी थी. वहीं अब उन्होंने एक दूसरा वीडियो शेयर किया है और बताया है कि उस बच्ची को उसके मां-बाप को सौंप दिया गया है.जब वो बच्ची अपने मां-बाप के साथ जाने लगी तो खुशबू इमोशल हो गईं. दरअसल, बच्ची को अपने घर लाने के बाद खुशबू ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया था, ताकि पुलिस उसके पैरेंट्स को ढूंढ सके और बच्ची की पहचान हो सके. खुशबू ने जो नया वीडियो शेयर किया है, उसे शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, इंसान का दिल भी क्या ही है. मैं उसे मिस करूंगी. पुलिस ने उसके पैरेंट्स को ढूंढ लिया है. मेडिकल सपोर्ट के लिए और तुरंत मदद करने के लिए पुलिस का शुक्रिया.

बच्ची से क्या बोलीं खुशबू पाटनी ?

वीडियो में खुशबू उस बच्ची के साथ अस्पताल में नजर आ रही हैं. बच्ची बेड पर लेटी हुई है. जब वो रोने लगती है तो खुशबू उसे गोद में ले लेती है. उस बच्ची से खुशबू कहती हैं कि आप काफी स्पेशल हैं, आपको काफी परेशान किया गया, लेकिन आपको कुछ हुआ नहीं. उस बच्ची से वो ये भी कहती हैं, तुम छोड़कर जा रही हो मुझे, झोड़कर मत जाओ हमें.

बच्ची का ताल्लुक बिहार से

इस मामले में पुलिस की तरफ से बताया गया कि बच्ची का ताल्लुक बिहार से है. उसकी मां अपनी बच्ची के साथ बरेली से बिहार जा रही थीं. उसी समय बरेली जंक्शन से एक युवक बच्ची को लेकर फरार हो गया था. फिर वो बच्ची खुशबू पाटनी को मिली. खुशबू इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं. लोग उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं. दिशा पाटनी ने भी इस वीडियो पर कमेंट किया है. दिशा ने लिखा, आप सच में रियल हीरो हो. आप दोनों का भला हो.

ब्राह्मणों को टॉयलेट समझ रखा है... अनुराग कश्यप पर भड़कीं ये एक्ट्रेस, FIR दर्ज कराने पहुंची पुलिस स्टेशन

बॉलीवुड फिल्ममेकर अनुराग कश्यप एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं. ब्राह्मण समाज के खिलाफ उनकी आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद ही सोशल मीडिया पर हंगामा मचा है. लोग लगातार उनकी ऐसी टिप्पणी करने के लिए आलोचना कर रहे हैं. जहां बीते दिनों लिरिसिस्ट मनोज मुंतशिर शुक्ला ने उन्हें हद में रहने की नसीहत दी थी. अब एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने ओशिवारा पुलिस स्टेशन पहुंची हैं.'गंदी बात' फेम गहना वशिष्ठ ने लिखित शिकायत देकर अनुराग कश्यप के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की है. फिल्ममेकर के बयान के बाद से लोग काफी नाराज हैं. खासकर ब्राह्मण समाज के लोगों में काफी गुस्सा देखा जा रहा है. एक्ट्रेस ने भी इस बयान को बेकार बताया है.

एक्ट्रेस ने की FIR दर्ज करने की मांग

मॉडल और एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ 21 अप्रैल यानी आज मुंबई के ओशिवारा पुलिस स्टेशन पहुंचीं. जहां उन्होंने फिल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप के खिलाफ लिखित शिकायत दी है. साथ ही स्नङ्कक्र दर्ज करवाने की मांग की है. उन्होंने कहा कि, अनुराग कश्यप ने जो बयान दिया है, वो बहुत बेकार है. ब्राह्मणों को क्या टॉयलेट समझ रखा है? फिल्मों के लिए आप कुछ भी बयान देंगे? नशे में थे क्या आप, जो इस तरह से बयान दे रहे हैं?

इस दौरान एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि 5 साल आप बिजी हो किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता. लेकिन इस तरह का बयान अगर किसी और धर्म के लिए दिया होता, तो अब तक फतवे जारी हो गए होते.

अनुराग कश्यप ने क्या कहा था ?

अनुराग कश्यप ने हाल ही में ब्राह्मणों पर निशाना साधा था. दरअसल उन्होंने एक शख्स को जवाब देते हुए ब्राह्मणों पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी. जिसके बाद से ही हर तरफ बवाल हो रहा है. कई जगहों पर फिल्ममेकर के खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है. जिसके बाद उन्होंने माफी मांगी. उन्होंने दावा किया है कि इस स्टेटमेंट के बाद से ही उनकी फैमिली और खासकर बेटी को धमकियां मिल रही हैं. उन्होंने माफी मांगते हुए कहा कि, यह इसलिए है क्योंकि उनके पोस्ट को गलत तरह से समझा गया है. साथ ही अपील की है कि जो कहना है मुझे कहो, लेकिन मेरे परिवार को इसमें मत लाओ.

शाहरुख के साथ ये फिल्म करके आज भी पछताती होंगी अनुष्का शर्मा, 178 करोड़ कमाकर भी हो गई डिजास्टर

बॉलीवुड अदाकारा अनुष्का शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2008 में फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से की थी. पहली ही फिल्म में उन्हें शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिला था. दोनों की जोड़ी को बड़े पर्दे पर फैंस का काफी प्यार मिला. अनुष्का का डेब्यू सफल रहा और वो छा गईं. अनुष्का ने आगे जाकर सलमान खान, अक्षय कुमार और आमिर खान जैसे सुपरस्टार्स के अलावा और भी कई नामचीन सितारों के साथ स्क्रीन शेयर की और कई बेहतरीन फिल्में उनके खाते में आईं.

लेकिन अनुष्का के पास फ्लॉप फिल्मों की लाइन भी लगी हुई है.कई हिट फिल्में देने वाली अनुष्का शर्मा फ्लॉप फिल्में देने में भी पीछे नहीं रहीं. रब ने बना दी जोड़ी के बाद उन्होंने 'बैंड बाजा' बारात', 'जब तक है जान', 'पीके', 'सुल्तान', 'ए दिल है मुश्किल' जैसी फिल्मों से फैंस का दिल जीता. जबकि 'जब हैरी मेट सेजल', 'फिल्लौरी', 'बॉम्बे वेलवेट', 'मटरू की बिजली का मंडोला' और 'पटियाला हाउस' जैसी फ्लॉप भी दीं. लेकिन उनकी एक फिल्म तो ऐसी भी रही जो 178 करोड़ रुपये कमाने के बावजूद डिजास्टर हो गई. इसमें उनके साथ शाहरुख खान लीड रोल में थे. वहीं कटरीना कैफ भी इसका हिस्सा थीं.

डिजस्टर हुई थी शाहरुख-अनुष्का की 'जीरो'

यहां बात हो रही है अनुष्का शर्मा और शाहरुख खान की फिल्म 'जीरो' की. इसका डायरेक्शन आनंद एल राय ने किया था और वो ही इसके प्रोड्यूसर भी थे. साल 2018 में रिलीज हुई इस फिल्म में कटरीना कैफ भी दिखाई दी थीं. तीन-तीन बड़े स्टार होने के बावजूद इसका हाल बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरा हुआ था.

पिक्क्रर का जैसा नाम था उसका काम भी वैसा ही रहा. दर्शकों की नजरों में फिल्म जीरो साबित हुई और अपना बजट तक नहीं निकाल पाई. 'जीरो वर्ल्डवाइड 178 करोड़ रुपये कमाने के बाद भी डिजास्टर साबित हो गई थी.

मेकर्स को लगी करोड़ों की चपत

अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर 178 करोड़ रुपये की तगड़ी कमाई करने के बावजूद जीरो कैसे टिकट खिड़की पर पिट गई. दरअसल बात ये है कि इसका बजट 200 करोड़ रुपये था. इस हिसाब से देखा जाए तो फिल्म बजट से 22 करोड़ रुपये पीछे रहे गई थी.

इस एक्ट्रेस की वजह से अलग हुए शुभमन गिल और

सारा तेंदुलकर

क्रिकेट और बॉलीवुड का पुराना रिश्ता है. ऐसे कई क्रिकेटर्स हैं, जिन्होंने फिल्मी सितारों को अपना हमसफर चुना है. यही वजह है कि आए दिन किसी न किसी क्रिकेटर का नाम टीवी या फिल्मी स्टार से जुड़ जाता है. भारतीय ओपनर शुभमन गिल भी इसी वजह से चर्चा में हैं. ऐसी खबरें हैं कि वो सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा को डेट कर रहे हैं. हालांकि, एक शो पर उन्होंने खुद सारा का नाम लिया था. साथ ही उनके दोस्त ने भी कुछ खुलासे किए थे. खैर, अब दोनों इंस्टाग्राम पर एक दूसरे को अनफॉलो कर चुके हैं. लेकिन दोनों के अलग होने की वजह एक एक्ट्रेस को बताया जा रहा है.

ऐसी अफवाहें उड़ रही हैं कि सारा तेंदुलकर और शुभमन गिल अलग हो चुके हैं. दरअसल यह टीवी एक्ट्रेस लंबे वक्त से शुभमन गिल को लेकर चर्चा में हैं. वो दुबई में मैच भी देखने पहुंची थी, जिसके बाद से ही उनका क्रिकेटर संग नाम जुड़ रहा है. यह कोई और नहीं, टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर हैं.

इस एक्ट्रेस की वजह से अलग हुए सारा-शुभमन ?

दरअसल अवनीत कौर ने शुभमन गिल को पिछले बर्थडे पर विश किया था. उससे पहले वो दोनों एक साथ भी दिखे थे. हालांकि, तब दूसरे दोस्त भी उनके साथ थे. लंदन में भी एक ग्रुप के साथ शुभमन गिल और अवनीत कौर को स्पॉट किया गया था. लेकिन कभी भी दोनों को अकेले साथ में नहीं देखा गया. यहां तक कि दोनों एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो भी नहीं करते. लेकिन एक्ट्रेस कई बार भारतीय टीम को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंचती हैं. दुबई में भी वो दिखी थीं, लेकिन अब उन्हें ट्रोल किया जा रहा है.

X पर लोग अवनीत कौर को दोनों के अलग होने की वजह बता रहे हैं. लेकिन हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक, अवनीत कौर और राघव शर्मा पिछले तीन-चार साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. वहीं राघव शर्मा जो एक प्रोड्यूसर हैं, उनकी शुभमन गिल से अच्छी दोस्ती है. अवनीत कौर भी राघव के जरिए ही शुभमन से मिली थी. हालांकि, राघव शर्मा और अवनीत कौर ने अपने रिश्ते को अबतक ऑफिशियल नहीं किया है. वहीं, अवनीत और शुभमन सिर्फ दोस्त हैं, लेकिन लोग उनकी तस्वीरों पर शुभमन गिल का कमेंट करते हैं. गौरतलब है कि अवनीत टीवी का जाना पहचाना चेहरा हैं. वो फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं.

पॉयनियर कान्वेंट में अर्थ-डे' का भव्य आयोजन

दिव्या दिल्ली : पायनियर कान्वेंट सीनियर सकेण्डरी स्कूल लोकनायक पुरम में अर्थ-डे का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विशेष प्रार्थना - सभा का आयोजन किया गया। विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जैसे भाषण - कविता पाठ, पोस्टर मेकिंग, लघु नाटिका इन सभी का संदेश यही था कि अर्थ-डे' पृथ्वी के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की एक गंभीर याद दिलाता है। अक्षय ऊर्जा का उपयोग करना, पयार्वंख के बारे में जागरूकता पैदा करना, लोगों को पृथ्वी को बचाने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. सीमा 'बजाज जी ने 'अर्थ-डे' के अवरनर पर अपने सम्बोधन में कहा कि 'अर्थ है' के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों, के संरक्षण, जलवाय परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता संकट को रोकने के लिए का अच्छा प्रभास है। अर्थ-डे' एक वार्षिक थीम के साथ मनाया जाता है जो प्लास्टिक प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और टिकाऊ जीवन जैसी प्रमुख समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। पृथ्वी-दिवस' का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण की दृष्टि से अधिक सही निर्णय लेने तथा पृथी के अनुकूल नीतियों के पक्ष में खड़ा करना है। हम सभी को पृथ्वी को अधिक स्वस्थ और टिकाऊ बनाने में योगदान देना चाहिए।

विद्यालय की उप-प्राचार्या श्री मती कमलेश कौर जी ने 'अर्थ-डे' के अवसर पर बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस दिवस को मनाने के पीछे महत्वपूर्ण उद्देश्यों में हमारे ग्रह की सुरक्षा के लिए जागरूकता पैदा करना और प्रयास के लिए प्रेरित करना शामिल है। पृथ्वी को बचाने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है। छोटे-छोटे लेकिन निरंतर कार्य जैसे कि पानी की बचत, प्लास्टिक का उपयोग कम करना, पेड़ लगाना या पुनर्चक्रण तथा बड़े बदलावों में योगदान दे सकते हैं सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुती देने वाले बच्चों को प्राचार्या द्वारा पुरस्कृत किया गया।

सीएसआईओ-सीएसआईआर ने धनवंतरी कॉलेज के बीच समझौता

चंडीगढ़: विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सीएसआईआर-केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन (सीएसआईआर-सीएसआईओ), चंडीगढ़ और श्री धनवंतरी आयुर्वेदिक कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़ ने मंगलवार को कॉलेज की स्वर्ण जयंती के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी - समवाय 2025 के समापन दिवस पर मॉडर्न बायोमेडिकल इंजीनियरिंग को पारंपरिक आयुर्वेदिक विज्ञान से जोड़ने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। सीएसआईओ-सीएसआईआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रोफेसर शांतनु भट्टाचार्य और कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर सुमित श्रीवास्तव के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह साझेदारी संयुक्त अनुसंधान पहलों को बढ़ावा देगी, फैकल्टी और छात्रों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करेगी और एआई-सक्षम, नॉन-इनवेसिव डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय उपकरणों को सक्षम करेगी। दोनों संस्थान आपसी एक्सपरटाइज साझा करेंगे और क्लीनिकल ट्रायल्स करेंगे। यह समझौता ज्ञापन अकादमिक आदान-प्रदान, पीजी/पीएचडी स्कॉलर्स के जॉइंट स्टडी प्रोग्राम्स भी करेगी ।

इस समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एनसीआईएसएम, नई दिल्ली के अध्यक्ष वैद्य जयंत देवपुजारी उपस्थित थे जबकि डॉ. एके अत्री, निदेशक प्रिंसिपल, जीएमसीएच सेक्टर 32, चंडीगढ़; वैद्य श्रीनिवास प्रसाद बुदुरु, अध्यक्ष, आयुर्वेद बोर्ड, एनसीआईएसएम, नई दिल्ली; वैद्य राकेश शर्मा, अध्यक्ष, नैतिकता और पंजीकरण बोर्ड, एनसीआईएसएम, नई दिल्ली और वैद्य महासभा, चंडीगढ़ के अध्यक्ष वैद्य अनिल भारद्वाज ने गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में भाग लिया, जिन्होंने सुखायु पत्रिका स्मारिका का विमोचन भी किया।

इससे पहले दिन में, पीजीआई चंडीगढ़ के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. रंजीत आर. पिल्लई ने मानसिक स्वास्थ्य में मल्टी डिसिप्लिनरी से ट्रांस डिसिप्लिनरी पर बात की, जबकि सीएसआईआर-सीएसआईओ चंडीगढ़ के सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अमित लाडी ने बायोमेडिकल इंजीनियरिंग और आयुर्वेदिक डिवाइस इनोवेशन पर प्रेजेंटेशन दी। केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान पटियाला के रिसर्च ऑफिसर डॉ. महेश एस ने आयुर्वेद के नए शोध को साझा किया। एसजीटी यूनिवर्सिटी गुरुग्राम की प्रोफेसर डॉ. आस्था चौधरी ने

दिव्या दिल्ली : चरण सिंह सपरा द्वारा आयोजित बैसाखी की रात - पंजाबी आइकन अवार्ड्स 2025 ने मुंबई को बेजोड़ चमक, वैभव और पंजाबी भावना से जगमगा दिया

सपनों के शहर ने सांस्कृतिक गौरव, सिनेमाई चमक और प्रतिष्ठित उत्कृष्टता से भरी एक रात देखी, जब पंजाबी सांस्कृतिक विरासत बोर्ड ने श्री चरण सिंह सपरा के दूरदर्शी नेतृत्व में मुंबई में बैसाखी की रात - पंजाबी आइकन अवार्ड्स 2025 की मेजबानी की - एक ऐसी शाम जो पंजाब की भावना जितनी ही शानदार थी! जी.एस. बावा / जी.एन. खालसा कॉलेज द्वारा प्रस्तुत, बैसाखी की रात का यह वर्ष का संस्करण उद्योगों में पंजाबी उत्कृष्टता के लिए एक शानदार श्रद्धांजलि थी, जो समुदाय को आगे बढ़ाने और प्रेरित करने वाले अग्रदूतों का जश्न मनाता है।

पंजाबी आइकॉन अवॉर्ड्स 2025 ने मनोरंजन, नेतृत्व और व्यवसाय के क्षेत्र में कुछ सबसे उल्लेखनीय नामों को सम्मानित कियाः बॉबी देओल - भारतीय सिनेमा में उनके स्थायी योगदान और एक पावरहाउस कलाकार के रूप में उनके पुनरुत्थान के लिए, रवीना टंडन - एक कालातीत दिवा और सिनेमाई आइकन के रूप में सम्मानित, अंगद बेदी - मनोरंजन में उनकी गतिशील उपस्थिति और बहुमुखी प्रतिभा के लिए, ओंकार सिंह - प्रगतिशील परिवर्तन को आकार देने वाले एक दूरदर्शी नेता के रूप में पहचाने गए, संदीप बत्रा - एक कॉर्पोरेट ट्रेलब्लेजर के रूप में उनकी उत्कृष्टता और प्रभाव के लिए स्वीकार किए गए अनुभवी अभिनेता और राजनीतिक दिग्गज राज बब्बर, सुंदर अभिनेत्री गीता बसरा, हमेशा बहुमुखी सुशांत सिंह, एक्शन हीरो मुकेश ऋषि, महान संगीतकार अनु मलिक, कॉमेडी क्वीन उपासना सिंह, हिटमेकर और संगीत सनसनी रामजी गुलाटी, टेलीविजन के प्रिय सितारे ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा और कई अन्य प्रसिद्ध हस्तियों ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।शाम को शानदार और वाक्पटु सतिंदर सत्ती ने शानदार तरीके से मंच पर अपनी प्रस्तुति दी, जिन्होंने मंच पर पंजाबी गौरव और संयम का परिचय दिया। बॉलीवुड की दिलकश गायिका अफसाना खान ने जब एक दमदार लाइव परफॉरमेंस दी, तो दर्शकों की ऊर्जा चरम पर पहुंच गई।पंजाबी सांस्कृतिक विरासत बोर्ड के अध्यक्ष चरण सिंह सपरा के शब्दों में, ह्यह कार्यक्रम केवल पुरस्कारों के बारे में नहीं है। यह हमारी जीवंत संस्कृति, अदम्य पंजाबी भावना और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता और प्रेरणा की विरासत को आगे बढ़ाने वाले व्यक्तियों का उत्सव है बैसाखी की रात - पंजाबी आइकन अवार्ड्स 2025 ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पंजाब का दिल दुनिया के हर कोने में जोर से और गर्व से धड़कता है - खासकर मुंबई में, जहां समुदाय, संस्कृति और करिश्मा उत्सव और गौरव की रात के लिए एक साथ आए।

नए साईबर सिक्योरिटी कानून लागू करने के लिए एफएआईआईटीए ने समय सीमा बढ़ाने की सरकार से की मांग

बिनोद कुमार

दिव्य दिल्ली : सरकार द्वारा बनाए गए नए साईबर सुरक्षा नियम को लागू करने से रोकने के लिए भारतीय आईटी संघो के महासंघ FAIITA ने सरकार से आग्रह किया है इसे लागू करने की अवधी बढ़ाई जाए ताकी सीसीटीववी के ब्यापार में लगे लाखो लोगों के उपर इसका असर नहीं पड़े। एफएआईआईटीए ने सरकार से मांग रखी सीसीटीवी उत्पादन क्षेत्र में सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योग एमएसएमईस के लिए तुरंत प्रौद्योगिकी सक्षम करने की व्यवस्था करें यह समर्थन एमएसएमई इकाइयों के लिए मानकीकरण परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाण प्रोटोकॉल को प्रभावित ढंग से अपने के लिए आवश्यक। 10000 से अधिक एमएसएमई फैक्ट्री के बंद होने का खतरा होने के साथ 4 लाख से अधिक व्यक्तियों के जीवन यापन को खतरा है साथ ही वर्तमान में भी उत्पादन लागत में वृद्धि आपूर्ति श्रृंखला में प्रावधान और कड़ी अनुपालन की आवश्यकता है। मीडिया से बात करते हुए एफएआईआईटीए के प्रवक्ता ने कहा सीसीटीवी क्षेत्र में एमएसएमई निमार्ता की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि सरकार आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करें जब तक यह उपाय लागू नहीं होते हम सरकार से आग्रह करते हैं कि एमएसएमई निमार्ता के लिए एसटीक्यूसी प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन को स्थगित रखा जाए ताकि वह अनुपालन के अनुचित बोझ के बिना संचालक जारी रख सके अपनी मीटिंग में एफएआईआईटीए ने सरकार से निम्नलिखित कार्यों पर विचार करने का उन कायो को कार्यक्रमों का विकास और कार्यान्वयन में करें
जो एमएसएमई को एसटीक्यूसी मानकों का प्रभावी ढंग से पालन करने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी और संस्थान प्रदान करें। आर्थिक दबाव को कम करने के लिए विशेष वित्तीय सहायता तंत्र स्थापित करने की मांग की।

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज ने 17वें मैनेजमेंट फेस्ट - एंडेवर 2025 का आयोजन किया

टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज ने 17वें मैनेजमेंट फेस्ट - एंडेवर 2025 का आयोजन किया
दिव्या दिल्ली : टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के मैनेजमेंट विभाग ने गर्व के साथ अपना 17वां वार्षिक मैनेजमेंट फेस्ट, एंडेवर 2025 आयोजित किया, जो छात्रों के नेतृत्व वाली उत्कृष्टता और नवाचार में एक और मील का पत्थर साबित हुआ। विभाग के छात्रों द्वारा पूरी तरह से प्रबंधित यह कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी,
जिसमें पूरे दिन उत्साही भागीदारी और जीवंत ऊर्जा देखने को मिली।इस उत्सव की शुरूआत सम्मानित अतिथि के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद सम्मानित डीन सर ने एक प्रेरक संबोधन दिया, जिसने सीखने, प्रतिस्पर्धा और उत्सव से भरे दिन की शुरूआत की।

इस कार्यक्रम में वित्त, उद्यमिता, विपणन और अन्य जैसे प्रमुख प्रबंधन क्षेत्रों पर केंद्रित रोमांचक प्रदर्शनों और प्रतिस्पर्धी गतिविधियों का एक गतिशील मिश्रण दिखाया गया। छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं और सिमुलेशन के माध्यम से अपने कौशल और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया, जिन्होंने वास्तविक दुनिया के व्यावसायिक कौशल का परीक्षण किया।

टीमवर्क, आलोचनात्मक सोच और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए आकर्षक प्रबंधन गेम ने उत्साह को और बढ़ा दिया। उत्सव का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रयासों और प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। एंडेवर 2025 ने वास्तव में नवाचार और सहयोग की भावना को मूर्त रूप दिया, जो अविस्मरणीय यादें छोड़ गया और आने वाले वर्षों के लिए मानक को और भी ऊंचा कर दिया

तारों के जंजाल से सदर बाजार में हो सकता है बड़ा हादसा जल्दी फेडरेशन करेगी सभी विभागों से वार्ता

दिव्या दिल्ली: दिल्ली में बढ़ रही गर्मी के कारण आए दिन आग की घटनाएं भी बढ़ती जा रही है इसको लेकर सदर बाजार के व्यापारियों में काफी दहशत है फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा व अध्यक्ष राकेश यादव सदर बाजार की विभिन्न मार्केट में तारों का जंजाल बना हुआ है जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है इसके लिए लगातार व्यापारी बिजली विभाग, एमटीएनएल, एयरटेल सहित एजेंटीयों को लगातार सूचित कर रहे हैं मगर कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही।इसको लेकर

फेडरेशन सभी विभागों से जल्द ही वार्ता करेगी। जिससे यह समस्या का हाल जल्द से जल्द निकल सके। परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने बताया सदर बाजार की मटके वाली गली, ग्रीन मार्केट, कुताब रोड, पान मंडी, तोलिया वाली गली सहित अनेक मार्केट में तारों के जंजाल से बुरा हाल है जिससे आए दिन शॉर्ट सर्किट होते रहते हैं और कई बार आग लगने की बड़ी घटनाएं भी हुई है जिसमें करोड़ों रुपए का व्यापारियों का नुकसान हुआ है।
परमजीत सिंह पम्मा व राकेश यादव ने बताया जल्दी कोई करे ना हुआ तो फेडरेशन इन के खिलाफ आंदोलन करेगी। साथी उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री से भी निवेदन किया है वह कृपया इस और ध्यान देकर व्यापारियों की सुरक्षा का ख्याल करें।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397